।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 22 अंक - 147

नर्मदापुरम
रविवार, 15 मार्च 2026

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

खास बात

मरने वाले लोग तो खैर बेबस हैं। लेकिन जीने वाले व्यक्ति भी इस दुनिया में कमाल करते हैं ।

- अदय

विशेष संपादकीय

वायरल होने के चक्कर में बर्बाद होते लोग

सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म पर अपने लिए व्यूज, लाइक, फोलो प्राप्त करने तक ही अब लोगों की जिंदगी सीमित होती जा रही है। वायरल होने के बच्चे बूढ़े महिलाएं सब पागल हो रहे हैं। यह बीमारी इस क़दर लोगों की मानसिकता पर अपना प्रभाव जमा चुकी है कि अब सोचने समझने की क्षमता भी प्रभावित हो रही है। हम आये दिन सुनते पढ़ते और देखते भी रहते हैं कि मां बाप द्वारा मोबाइल फोन न चलाने की हिदायत या रोक-टोक से नाराज़ बच्चे ने सुसाइड कर लिया, या फिर पत्नी को रील बनाने पर टोकने से पति का कत्ल तक कर दिया गया। दरअसल यह बीमारी लोगों के मन में बैठे स्वयं को अति विशिष्ट बनाने के भाव से प्रेरित है। लोग कुछ भी करके दूसरो का ध्यान अपनी तरफ खींचना चाहते हैं ताकि उन्हें भी पहचाना जाए। लोग उन्हें नोटिस करें। रील का कंटेंट कुछ भी हो, उसका प्रभाव किसी भी तरह से समाज पर पड़े ,लेकिन इन सब बातों से रीलबाजों को कोई मतलब नहीं है । उनका एक ही उद्देश्य है, कि लोग उन्हें नोटिस करें, उन्हें देखें उनके लाइक भी बढ़े ,उनके फॉलोअर बढ़े । इन सब के बढ़ने से एक लाभ यह भी है ,कि रीलबाजों की सोशल मीडिया आईडी मोनेटाइज हो जाती है, जिससे उन्हें कुछ पैसा मिलना भी शुरू हो जाता है। लेकिन यह पैसे की इच्छा वाली बात सभी के साथ नहीं होती है। अधिकांश लोगों का मुख्य उद्देश्य होता है ,अपने आप को विशेष बनाना । जो दबी इच्छा है उनके भीतर हमेशा से बनी रहती है। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि इस वायरल होने की बीमारी के कारण सबसे बड़ा नुकसान समाज का हो रहा है। परिवार टूट रहे हैं, लोग सेलफिश हो रहे हैं सबकुछ सोशल मीडिया तक सीमित हो गया है। गहरे संबंध और रिश्ते टूट रहे हैं बिखर रहे हैं। घर परिवार की मर्यादा खत्म हो रही है। क्या बेडरूम ,क्या किचन, पूजाघर या घर का सबसे पवित्र कमरा सब कुछ अब सोशल मीडिया पर डाला जा रहा है। मर्यादाओं के टूटने से समाज में अराजकता बढ़ जाती है, अश्लीलता बढ़ जाती है, अपराध बढते हैं। और सबसे बड़ी बात यह है कि लोग नैतिक जिम्मेदारी भूलकर निरंकुश हो जाते हैं तथा सरकार और समाज दोनों के लिए यह स्थिति खतरनाक हो सकती है इसलिए समय रहते किसी भी तरीके से वायरल होने की बीमारी का ईलाज होना अनिवार्य है।

पीएम ने असम के सिलचर में 23,550 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का किया शुभारंभ

कांग्रेस ने युवाओं को गुमराह करके आतंकवाद के रास्ते पर धकेला, बीजेपी ने रोजगार के रास्ते खोले

गुवाहाटी ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे के दूसरे दिन सिलचर में कहा कि कांग्रेस ने अपने शासनकाल में असम के युवाओं को गुमराह किया। उन्हें हिंसा और आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। लेकिन आज यह राज्य अवसरों का सागर है।

पीएम ने बताया कि कांग्रेस ने असम को 'फूट डालो-राज करो' नीति में रखा। आज असम खुला आसमान है। असम भारत के सेमीकंडक्टर सेक्टर का अहम हिस्सा बन रहा है। राज्य ने सरकारी नौकरियों के रास्ते खोले हैं। पीएम अपनी स्पीच में कहा कि कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को भुला दिया था, लेकिन भाजपा की डबल इंजन की सरकार ने इसे ऐसे कनेक्ट किया जिसकी हर जगह चर्चा है। नॉर्थ ईस्ट आज दक्षिण एशिया जोड़ने वाला सेतु बन रहा है।

इसके पहले मोदी ने सिलचर में 23,550 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि सिचलर को बराक घाटी का गेटवे है। लेकिन कांग्रेस ने नॉर्थ ईस्ट को दिल्ली से और दिल से दूर रखा था। इस दौरान उन्होंने शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर समेत कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की आधारशिला रखी और कहा कि इन परियोजनाओं से बराक घाटी को पूर्वोत्तर भारत का बड़ा लॉजिस्टिक्स और व्यापारिक केंद्र बनने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने वर्षों तक पूर्वोत्तर की उपेक्षा की और असम के युवाओं को हिंसा एवं आतंकवाद के रास्ते पर धकेला। पीएम ने लगभग 22,860 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 166 किलोमीटर लंबे शिलांग-सिलचर हाई-स्पीड कॉरिडोर का भूमि पूजन किया। यह पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड चार-लेन हाई-स्पीड कॉरिडोर होगा। इसके पूरा होने के बाद मेघालय और असम के बीच कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार होगा और गुवाहाटी से सिलचर के बीच यात्रा का समय करीब 8.5 घंटे से घटकर लगभग 5 घंटे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल एक हाई-वे नहीं है, बल्कि दशकों से पूर्वोत्तर के लोगों के लंबे इंतजार का अंत है।

पीएम ने कहा कि इस कॉरिडोर से सिलचर, मिजोरम, मणिपुर और त्रिपुरा जैसे राज्यों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी। इन राज्यों के जरिए बांग्लादेश और म्यांमार के साथ व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के आर्थिक विकास को गति मिलेगी। इससे किसानों, उद्योगों और पर्यटन क्षेत्र को भी बड़ा लाभ होगा। मोदी ने सिलचर में एनएच-306 पर कैपिटल पॉइंट के पास ट्रंक रोड से रंगिरखारी पॉइंट तक बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर (चरण-1) का भी भूमि पूजन किया। इस परियोजना से शहर की व्यस्त सड़कों पर ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी और मिजोरम, त्रिपुरा तथा मणिपुर जैसे पड़ोसी राज्यों से संपर्क बेहतर होगा। यह परियोजना बराक घाटी के आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

पीएम ने बंगाल को दी 18,680 करोड़ के विकासरत कार्यों की सौगात

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोलकाता दौरे के दौरान पश्चिम बंगाल को 18,680 करोड़ की सड़क, रेल और बंदरगाह से जुड़ी बड़ी कनेक्टिविटी परियोजनाओं की सौगात दी। इन परियोजनाओं को राज्य में आधारभूत ढांचे के विस्तार, औद्योगिक विकास और बेहतर परिवहन व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इसे राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल से भारत के विकास की नई कहानी लिखी जा रही है और केंद्र सरकार राज्य में आधुनिक कनेक्टिविटी नेटवर्क तैयार करने पर विशेष ध्यान दे रही है। प्रधानमंत्री ने 231 किलोमीटर लंबे खड़गपुर-मोरेग्राम आर्थिक कॉरिडोर के पांच हिस्सों का शिलान्यास किया। यह चार लेन सड़क परियोजना पूरी होने के बाद खड़गपुर से उत्तर बंगाल की ओर जाने वाली यात्रा को काफी आसान बना देगी।

बंगाल की निर्मम सरकार का जल्द अंत होगा : मोदी

कोलकाता। पीएम ने प. बंगाल की सत्तारूढ़ अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस की सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि अब राज्य के लोगों के दिलों में यह बात छप चुकी है कि बंगाल की 'निर्मम सरकार' का अंत होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव का माहौल बन चुका है और इसे कोई नहीं रोक सकता। मोदीने पार्टी की रैली को संबोधित करते हुए यह बात कही। मोदी ने कहा कि ब्रिगेड मैदान का इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि जब-जब बंगाल ने देश को दिशा दी है, तब-तब यह मैदान बंगाल की आवाज बना है। अंग्रेजी शासन के खिलाफ इसी मैदान से उठी आवाज पूरे देश में क्रांति बन गई थी और अंततः अंग्रेजों के अत्याचार और लूट का अंत हुआ था। पीएम ने कहा कि आज एक बार फिर इसी मैदान से 'नए बंगाल की क्रांति' का बिगुल बज चुका है। बंगाल में बदलाव अब दीवारों पर भी लिखा जा चुका है और लोगों के दिलों में भी दर्ज हो चुका है। उन्होंने कहा कि अब बंगाल से 'महाजंगलराज' का खात्मा होगा और राज्य में कानून का राज स्थापित होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के हर कोने से आवाज उठ रही है- 'चाई बीजेपी सरकार, अबकी बार।'

मुख्यमंत्री ने दी करोड़ों के विकास कार्यों की सौगात

कटनी में शीघ्र खुलेगा मेडिकल कॉलेज : सीएम

- किसानों को सिंचाई के लिए दिन में भी मिलेगी बिजली
- युवाओं के लिये बनेगा खेल स्टेडियम
- बरही में बनेगा वॉलीबॉल का इंडोर स्टेडियम
- जलाशय और नहरों का होगा जीर्णोद्धार

कटनी ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार धरती पुत्र किसान की खुशहाली और विकास के लिए कृत संकल्पित है। राज्य सरकार किसानों और लाड़ली बहनों सहित हर वर्ग के कल्याण के लिए कार्य कर रही है। सरकार ने गांव-गांव तक सिंचाई सुविधा पहुंचाने का संकल्प लिया है। किसानों को सिंचाई के लिए अब दिन में भी बिजली मिलेगी। किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार हर कदम पर किसानों के साथ खड़ी है। जरूरतमंदों के बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले, इसके लिए प्रदेश में भव्य सांदीपनि विद्यालयों की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि कटनी में शीघ्र ही मेडिकल कॉलेज खोला जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को कटनी जिले के बरही में आयोजित किसान सम्मेलन कृषि महोत्सव को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कृषक कल्याण वर्ष 2026 में कटनी को 1000 करोड़ की सौगात दी एवं जिले के लिए 243 करोड़ रूपये की लागत के 97 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन किया। इसमें नवर्निमित पुल, महाविद्यालय और सांदीपनि विद्यालय भी शामिल हैं। किसानों की समृद्धि पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। विजयराघवगढ़ के नागरिकों ने भव्य रोड-शो में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भी अभिवादन कर स्वागत के लिये जनता का आभार माना।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़े तालाब के सौंदर्यीकरण की सौगात दी एवं उन्होंने विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किये।

सीएम आज नेपानगर को देंगे 363.82 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव आज बुरहानपुर जिले के नेपानगर में विभिन्न विकास कार्यों की सौगात देंगे। सीएम 363 करोड़ 82 लाख रूपये के 127 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन करेंगे।

अंतर्मना उवाच

आज के इंसान को धर्म का मर्म, इतना ही समझ में आ जाये कि..वे अपनी गरीबी को किस्मत समझ ले..!

*जैन दर्शन कर्म सिद्धांत को महत्व देता है। **सुख-दुःख, पुण्य-पाप अच्छा-बुरा -- सब हमारे अपने ही कर्मों का फल है।** जैन धर्म में जातिवाद, वर्णवाद, वंशवाद, भाषावाद, या संकुचितताओं के लिए कोई जगह नहीं है। **जैन कोई जाति नहीं बल्कि 'अहिंसा परमो धर्म' का नाम है।***

*जो धारण किया जाये वो धर्म। धर्म वस्तु का स्वभाव है। जैन धर्म किसी के वैर विरोध में नहीं, ना किसी मजहब में, ना संप्रदायवाद, ना पंथवाद, ना संतवाद की सड़ांध से कोसों दूर है। जैन धर्म तो वस्तुनिष्ठ, प्राकृतिक धर्म है। **जो सभी कामनाओं, वासनाओं से रहित, जन्म मरण से मुक्त है, वीतरागी सर्वज्ञ, हितोपदेशी हैं... वे जिनेन्द्र भगवान कहलाते हैं।** वीतरागी भगवान ज्ञाता दृष्टा हैं लेकिन सृष्टि के कर्ता-धर्ता नहीं हैं।*

मंगल बिहार के दौरान तपती धूप में दोपहर की सामायिक करते अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज

जैन धर्म में तीर्थंकर 24 होते हैं और भगवान अनंत होते हैं।** प्रथम तीर्थंकर **भगवान ऋषभ देव (आदिनाथ)** का जन्म करोड़ों, अरबों वर्ष पूर्व अयोध्या में हुआ था। उनके पिता नाभिराय तथा माता मरुदेवी थीं। नाभिराय जी का विवाह यशस्वी व सुनंदा के साथ सम्पन्न हुआ। **भरत बाहुबली उनके 101 पुत्र तथा ब्राह्मी और सुंदरी, यह दो पुत्रियां थी।** उन्होंने राज्य करते हुये, अपने पुत्र-पुत्रियों को भी अनेक कलाओं में पारंगत किया। **बड़ी बेटी ब्राह्मी को लिपी ज्ञान करवाया और छोटी पुत्री सुन्दरी को अंक ज्ञान कराया, जिससे शून्य व अंको का अविष्कार हुआ।** भगवान ऋषभदेव ने मानव समाज को जीवन जीने की मूल विधाएँ सिखाईं... असि, मसि, कृषि, शिल्पकला, वाणिज्य और विद्या। **अनेक महत्वपूर्ण कार्यों के कारण भगवान ऋषभ देव ही भारतीय संस्कृति में ब्रह्मा, विष्णु, महेश, विश्वकर्मा, प्रजापति, आदि अनेक रूपों में स्मरण किया जाता है।

*इस प्रकार जैन धर्म हमें यह सिखाता है कि धर्म का सार किसी बाहरी दिखावे में नहीं, बल्कि अहिंसा, आत्मसंयम, सत्य और आत्मजागरण में निहित है। **जो व्यक्ति अपने कर्मों को समझकर आत्मशुद्धि के मार्ग पर चलता है, वही वास्तविक अर्थों में धर्म को धारण करता है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

इजराइल का दक्षिणी लेबनान पर बड़ा हमला, 12 चिकित्सा कर्मियों की मौत

बेरूत ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में 15 दिन से जारी सैन्य संघर्ष के बीच इजराइल ने दक्षिणी लेबनान पर हवाई हमले किए। इस हमले में एक स्वास्थ्य केंद्र पर काम कर रहे डॉक्टर, नर्स एवं स्वास्थ्य कर्मियों समेत 12 लोगों की मौत हो गई। लेबनान के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार यह हमला बुर्ज कलाविया शहर में हुआ। इस बीच लेबनान के उग्रवादी संगठन हिज्बुल्लाह ने कहा है कि उनका संगठन इजराइल के साथ लंबे संघर्ष के लिए तैयार है, इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है।

लेबनान की सरकारी समाचार संस्था राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार लेबनान के स्वास्थ्य अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि दक्षिणी लेबनान में हुए इजराइली हमले में एक क्लिनिक के 12 डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिक्स मारे गए।

ईरान के खर्ग द्वीप पर अमेरिका की बमबारी, सैन्य ठिकानों को किया तबाह

वॉशिंगटन / तेहरान। ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजराइल सैन्य अभियान के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी केंद्रीय कमान ने ईरान के खार्ग द्वीप पर बड़ा बमबारी अभियान चलाया। उन्होंने इसे मध्य-पूर्व के इतिहास का सबसे बड़ा बमबारी अभियान करार देते हुए कहा कि ईरान के सबसे महत्वपूर्ण द्वीप खार्ग द्वीप पर मौजूद हर सैन्य ठिकाने को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति 'दिशा' की बैठक में की विकास कार्यों और योजनाओं की समीक्षा

जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय से काम करें : चौहान

सीहोर ■ निप्र

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी समन्वय के साथ मिलकर काम करेंगे तो योजनाओं का क्रियान्वयन प्रभावी एवं पारदर्शी ढंग से होगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने अधिकारी विभागीय गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराएं, ताकि आमजन का फीडबैक भी जनप्रतिनिधियों के माध्यम से प्राप्त हो सके और कार्यों का बेहतर ढंग से संपादन किया जा सके। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान शुक्रवार को मध्य प्रदेश के सीहोर में जिला पंचायत सभाकक्ष में हुई जिला विकास समन्वय एवं मूल्यांकन समिति 'दिशा' की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति उसकी पात्रता के अनुसार शासन की योजनाओं का लाभ पाने से वंचित न रहे। अधिकारी पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ विभागीय योजनाओं का क्रियान्वयन और संचालन करें, ताकि आमजन तक उनका लाभ पहुंचाया जा सके। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों और शासकीय सेवकों दोनों का कर्तव्य जनता की सेवा करना है, इसलिए अपने कर्तव्यों का बेहतर ढंग से निर्वहन करें।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार ने कहा

देश में ऊर्जा संकट नहीं है, पैनिक बुकिंग से बचें

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच केंद्र सरकार ने कहा है कि देश में एलपीजी सिलेंडर की कही कोई कमी नहीं है। सरकार ने यह भी कहा कि लोगों को एलपीजी की पैनिक बुकिंग से बचना चाहिए।

नेशनल मीडिया सेंटर में शनिवार को पत्रकार वार्ता में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव (मार्केटिंग और ऑयल रिफाइनरी) सुजाता शर्मा ने कहा कि भौगोलिक हालात को देखते हुए यह हमारे लिए चिंता की बात बनी हुई है। हालांकि अभी तक स्टॉक खत्म होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने कहा कि एलपीजी पैनिक बुकिंग के मामले बहुत ज्यादा हैं। शुक्रवार को जो आंकड़ा शेयर किया था उसमें लगभग 76 लाख बुकिंग-अब बढ़कर लगभग 88 लाख हो गई है। उन्होंने कहा कि एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के लिए लोगों को लाइन में खड़े होनी की आवश्यकता नहीं है। इस संबंध में उपभोक्ताओं को जागरुक करने के लिए तेल कंपनी को आदेश दिया गया है कि वे लोगों को डिजिटल बुकिंग के लिए प्रेरित करें। देश में सिलेंडर की कोई कमी नही है। सरकार द्वारा तय दिनों के अंदर लोगों को गैस सिलेंडर उपलब्ध होगा। डीलर उपभोक्ताओं को घरों में सिलेंडर पहुंचाएंगे। उन्होंने कहा कि वाणिज्यिक एलपीजी उपभोक्ता को भी कुछ राहत देने के लिए उन्हें पीएनजी कनेक्शन देने का फैसला किया गया है। इसके साथ शुक्रवार को दिल्ली एनसीआर में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने एनसीआर, जिसमें दिल्ली भी शामिल है, के उद्योगों, होटलों, रेस्तरां और अन्य प्रतिष्ठानों को एक महीने के लिए कोयला, लकड़ी जलाने के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है।

दो दिन में 92 हजार टन गैस भारत पहुंचेगी

नई दिल्ली। देश में घरेलू रसोई गैस आपूर्ति को स्थिर रखने के लिए दो भारतीय जहाज जल्द ही गुजरात के बंदरगाहों पर पहुंचने वाले हैं। इनमें कुल 92,000 मीट्रिक टन लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) लदी हुई है और ये 16-17 मार्च को गुजरात के प्रमुख पोर्ट्स पर डॉक करेंगे। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के अनुसार इन जहाजों को प्राथमिकता के आधार पर बंदरगाह पर लगाने की व्यवस्था की गई है ताकि गैस आपूर्ति प्रभावित न हो। इससे रसोई गैस की उपलब्धता बनाए रखने और संभावित संकट को कम करने में मदद मिलेगी।

मप्र के सिंगरौली में अडाणी पावर प्लांट में बवाल मजदूर की मौत के बाद आगजनी और तोड़फोड़

सिंगरौली ■ एजेंसी

जिले के माडा थाना क्षेत्र स्थित बघौरा के अडाणी पावर प्लांट में शनिवार सुबह उस समय हंगामा खड़ा हो गया, जब एक मजदूर की मौत के बाद साथी मजदूर भड़क गए और प्लांट परिसर में तोड़फोड़ करते हुए कई गाड़ियों में आग लगा दी और कुछ वाहनों को पलट दिया। आगजनी इतनी भीषण थी कि दूर से ही काले धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया।

बताया जा रहा है कि प्लांट में कार्यरत झारखंड के गढ़वा जिला निवासी मजदूर लल्लन सिंह लंबे समय से इसी प्लांट में काम कर रहा था। शुक्रवार देर रात उसकी मौत हो गई। यह बताया जा रहा कि ये अफवाह फैली कि मजदूर लल्लन की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हुई है और प्रबंधन ने कुछ समय तक शव छिपाने की कोशिश की जबकि कंपनी प्रबंधन और जिला प्रशासन का दावा है कि मजदूर की मौत देर रात हार्ट अटैक से हुई। मजदूर की मौत की खबर फैलते ही प्लांट में काम कर रहे श्रमिकों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए मजदूरों ने प्लांट परिसर में खड़ी कंपनी अधिकारियों की आधा दर्जन से अधिक गाड़ियों में तोड़फोड़ की, कई वाहनों को पलट दिया और आग लगा दी।

मप्र के 12 कलेक्टरों के पास अपना घर नहीं; सोनिया की संपत्ति की कीमत 4 गुना घटी

आईएएस मनु सबसे अमीर, किशोर कन्याल कलेक्टरों में सबसे रिच

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मध्य प्रदेश में 391 आईएएस अधिकारियों में अपर मुख्य सचिव मनु श्रीवास्तव सबसे अमीर हैं। उनके पास 19 करोड़ 50 लाख रुपए की संपत्ति है, जबकि मुख्य सचिव अनुराग जैन के पास 4 करोड़ 15 लाख रुपए की संपत्ति है। इस तरह मनु श्रीवास्तव की संपत्ति अनुराग जैन से लगभग 4.7 गुना अधिक है।

इसके अलावा प्रदेश के 55 जिलों के कलेक्टरों में से 12 जिलों के कलेक्टरों के पास न तो अपना घर है और न ही खेती की जमीन है।

मनु श्रीवास्तव अनुराग जैन सोनिया मीणा

इन अधिकारियों ने अपनी अचल संपत्ति निल बताई है। वहीं 17 कलेक्टर ऐसे भी हैं, जिनके पास मकान और दुकान के साथ-साथ खेती की जमीन भी है।

कलेक्टरों में कन्याल सबसे अमीर

जिला कलेक्टरों में गुना कलेक्टर किशोर कन्याल सबसे अधिक संपत्ति वाले अधिकारी हैं। उनके पास करीब 3 करोड़ 18 लाख रुपए की संपत्ति है। उनके पास दो मकान, एक प्लॉट और कृषि भूमि है, जो भोपाल, उत्तर प्रदेश और नोएडा में स्थित है।

इन सबके बीच नर्मदापुरम कलेक्टर सोनिया मीणा ने वर्ष 2010 में 4.5 लाख रुपए में एक प्लॉट खरीदा था। आमतौर पर समय के साथ प्रॉपर्टी की कीमत बढ़ती है, लेकिन इस मामले में उल्टा हुआ। 4.5 लाख का वह प्लॉट अब घटकर केवल 1 लाख रुपए का रह गया है।

अग्रवाल के पास सबसे अधिक लैंड

केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी विवेक अग्रवाल के पास सबसे अधिक जमीन है। उनके पास भटिंडा, गंगानगर, सिरसा, मुक्तसर, पंचकुला, मुल्लानपुर, इंदौर और भोपाल में मिलाकर करीब 65 एकड़ किसान जमीन है। इसके अलावा इंदौर के अपर कलेक्टर नवजीवन पवार के पास सबसे अधिक 20 अलग-अलग प्रॉपर्टी दर्ज हैं।

उड़ता तीर

अधिसूचना के बाद राज्य सरकार बनाएगी अपने नियम

मप्र में अक्टूबर-नवंबर से लागू हो सकता है जी-रामजी

भोपाल ■ निसं

मनरेगा की जगह शुरू होने जा रही विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) के लिए गारंटी वीबी जी रामजी योजना प्रदेश में इसी वर्ष अक्टूबर-नवंबर से प्रारंभ हो सकती है। इसके लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तैयारियों में जुटा है। तैयारियों के संबंध में मंगलवार-बुधवार को दिल्ली में बैठक होने जा रही है, जिसमें सभी राज्यों से तैयारियों के संबंध में पूछा जाएगा। पंचायतों के बारे में जानकारी भी साझा की जाएगी, जिससे केंद्र सरकार राज्य को अनुदान के संबंध में नीति बना सके।

बता दें कि वीबी जी रामजी विधेयक संसद से पारित हो गया है। इसकी अधिसूचना अप्रैल या मई में जारी हो सकती है। इसके बाद राज्य सरकार अपने नियम बनाएगी, जो विधानसभा से पारित होंगे। इसमें लगभग छह माह का समय लगेगा। यह भी बता दें कि योजना में राज्य सरकारों को विकल्प दिया गया है कि वह केंद्र के नियम उसी रूप में स्वीकार कर लें या अपने अनुसार बदलाव कर लें। हर राज्य की परिस्थितियां अलग-अलग हैं।

काम के आधार पर तीन श्रेणियों में बंटेंगी पंचायतें: अगले चरण में पंचायतों को तीन श्रेणियों में बांटा जाएगा। पहली वह पंचायतें जिनमें मनरेगा में कम काम हुआ है, उन्हें प्राथमिकता में रखकर वहां अधिक काम कराया जाएगा। इसके बाद मध्यम स्तर की ग्राम पंचायतें और तीसरी ऐसी पंचायतें होंगी जिन पर बहुत अधिक काम हो चुका है, वहां अब ज्यादा काम की आवश्यकता नहीं है। इस तरह सभी जगह समान रूप से विकास होगा। मनरेगा में कुछ ग्राम पंचायतों में बहुत अधिक तो कुछ में बहुत कम काम हुआ है।

स्थानीय परिस्थितियों के आधार पर होगा नियमों में बदलाव

उदाहरण के तौर पर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र, श्रमिकों की संख्या, मनरेगा के अंतर्गत हुए काम, विकास कार्यों को लेकर राज्य सरकार की प्राथमिकता आदि। इन आधारों पर राज्य सरकार नियमों में कुछ परिवर्तन कर सकती है। विधानसभा से पारित होने के बाद इसे अमल में लाया जाएगा। अधिसूचना जारी होने के बाद सबसे पहले संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। उन्हें बताया जाएगा कि मनरेगा से नई योजना किस तरह अलग है, कौन से नए काम शामिल किए गए हैं और सामाजिक अंकेक्षण किस तरह से किया जाना है।

मध्यप्रदेश की 12 नदियों पर गहराया प्रदूषण का संकट

शहरों के पास सबसे ज्यादा बिगड़ी हालत

भोपाल ■ निसं

प्रदेश की कई प्रमुख नदियों के कुछ हिस्सों में पानी की गुणवत्ता खराब पाई गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की हालिया रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 18 प्रदूषित नदी खंड चिह्नित किए गए हैं। नदी खंड से आशय नदी के उस हिस्से से है, जहां पानी में जैविक प्रदूषण का स्तर निर्धारित मानक से अधिक हो जाता है और उसकी गुणवत्ता सुधारने की आवश्यकता होती है।

प्रदेश में कुल 18 प्रदूषित नदी खंड और स्थान चिह्नित किए गए हैं। इनमें प्रदूषण की गंभीरता के आधार पर दो खंड प्रायोरिटी-1, एक प्रायोरिटी-2, दो प्रायोरिटी-3, तीन प्रायोरिटी-4 और दस प्रायोरिटी-5 श्रेणी में आते हैं। रिपोर्ट में जिन नदियों के हिस्सों में प्रदूषण पाया गया है, उनमें प्रमुख रूप से शिप्रा, कान्ह, चंबल, बेतवा, नर्मदा, ताप्ती, कालीसिंध, पार्वती, गंभीर, तवा, सोन और केन शामिल हैं। इन नदियों के अलग-अलग शहरों और कस्बों के आसपास के हिस्सों में पानी की गुणवत्ता मानक से नीचे पाई है।

शहरों के पास ज्यादा प्रदूषण: रिपोर्ट का विश्लेषण बताता है कि प्रदूषण सबसे ज्यादा उन स्थानों पर है जहां शहरी दबाव अधिक है। प्रदेश में इंदौर, उज्जैन, देवास, भोपाल, ग्वालियर-मुरैना, नर्मदापुरम और खंडवा-बुरहानपुर जैसे क्षेत्रों के आसपास नदी के हिस्सों में प्रदूषण दर्ज किया गया है। विशेषज्ञों के अनुसार शहरों के नालों का पानी और बिना उपचारित सीवेज सीधे नदियों में जाने से यह स्थिति बन रही है।

प्रदेश स्तरीय वन कर्मचारी वेतन एवं सेवा विवाद निराकरण समिति का गठन

भोपाल। मप्रके वन कर्मचारियों के सामने आज सिर्फ 5680/1900 वेतनमान का मुद्दा नहीं, बल्कि पूरे सेवा-जीवन से जुड़े अनेक विवाद खड़े हैं। कहीं ट्रांसफर-पोस्टिंग मनमाने ढंग से हो रहे हैं, कहीं वेतन-वृद्धि बिना कारण के रोकी जा रही है, तो कहीं वेतन निर्धारण, भत्तों, विभागीय जांच, पदोन्नति, वसूली और पेंशन तक के मामलों में अनिश्चितता है। इन्हीं सब चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग द्वारा मप्र कर्मचारी वेतन एवं सेवा विवाद निराकरण समिति का गठन किया गया है।समिति का अध्यक्ष अशोक पांडे पांडे, सदस्य लव प्रकाश पाराशर, हरि सिंह गुर्जर, नितिन गुप्ता, प्रेमलाल त्रिपाठी, राजकुमार शुक्ला, रामबाबू सोनी, नरेंद्र पयासी मनोनीत किए गए हैं। मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग के प्रदेश अध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि अगले चरण में समिति 5680 के मुद्दे के साथ-साथ मुख्य विषयों पर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव वन को ज्ञापन सौंपकर निराकरण करने की मांग करेगा। पांडे ने बताया कि नियुक्ति, प्रोबेशन, पुष्टि और सेवा-पुस्तिका की प्रविष्टियां, ट्रांसफर, पोस्टिंग, अटैचमेंट और कैंसलेशन के विवाद वेतन, वेतन-वृद्धि रोकना, वेतन निर्धारण और भत्तों की विसंगतियां विभागीय जांच, निलंबन, दंड, पदोन्नति और वरिष्ठता सम्बन्धी मामले वसूली (अधिक भुगतान के नाम पर कटौती), पेंशन व रिटायरमेंट लाभों से जुड़े विषय प्रमुखता के आधार पर शासन के समक्ष मप्र कर्मचारी मंच वन विभाग रखेगा। मंच सरकार से मांग करेगा कि आदेशों, सर्विस बुक एंट्री, वेतन-पर्ची, नोटिस आदि तत्काल निराकरण किए जाएं। कर्मचारी मंच विधिक सहायता के माध्यम से वन कर्मचारी के न्यायालय आदेशों का लाभ शासन से दिलाने का सार्थक कार्यवाही करेगा।

प्रदेश से चावल, टेक्सटाइल, केले और दवाइयों के करोड़ों के निर्यात पर संकट

ईरान-अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर मप्र के निर्यात कारोबार पर भी दिखाई देने लगा

भोपाल ■ निसं

ईरान-अमेरिका की जंग से खाड़ी क्षेत्र में बढ़ते तनाव का असर अब प्रदेश के निर्यात कारोबार पर भी दिखाई देने लगा है। समुद्री मार्गों में अनिश्चितता और सुरक्षा चिंताओं के कारण राज्य से चावल, टेक्सटाइल और फार्मा उत्पादों की शिपमेंट प्रभावित हो रही है। इसके चलते माल भेजने में देरी, मालभाड़ा बढ़ने और कीमतों में गिरावट जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। जानकारी के अनुसार इन परिस्थितियों के कारण मध्य प्रदेश से मध्य पूर्वी देशों को भेजे जाने वाले करीब 782 करोड़ रुपये के निर्यात पर असर पड़ा है। व्यापारियों और निर्यातकों का कहना है कि लाल सागर क्षेत्र में अस्थिरता के कारण समुद्री परिवहन प्रभावित हो रहा है, जिससे सामान की आवाजाही धीमी हो गई है।

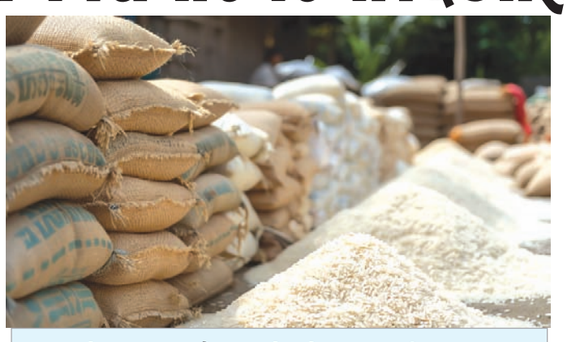

टेक्सटाइल और गारमेंट सेक्टर पर भी असर

राज्य से कपास धागे और टेक्सटाइल का निर्यात भी प्रभावित हुआ है। अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच टेक्सटाइल निर्यात लगभग 7,940 करोड़ रुपये रहा, जो राज्य के कुल निर्यात का करीब 12 प्रतिशत है। इसी अवधि में रेडीमेड गारमेंट्स का निर्यात करीब 527 करोड़ रुपये रहा। उद्योग संगठनों का कहना है कि समुद्री मार्गों में व्यवधान और शिपमेंट में देरी के कारण कारोबार की गति धीमी पड़ गई है।

4 लाख टन बासमती चावल फंसा: प्रदेश से अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के बीच बासमती चावल का निर्यात करीब 4,064 करोड़ रुपये का रहा। केवल मार्च 2025 में ही 338 करोड़ रुपये का चावल निर्यात किया गया था, लेकिन हालात बिगड़ने के कारण पिछले एक सप्ताह में बासमती चावल का निर्यात लगभग रुक गया है। अनुमान है कि करीब 4 लाख टन बासमती चावल फिलहाल फंसा हुआ है, जिससे बाजार में कीमतों पर भी दबाव बढ़ गया है। किसानों के अनुसार पिछले सप्ताह तक जो चावल 4,400 रुपये प्रति क्विंटल बिक रहा था, उसकी कीमत घटकर करीब 4,000 रुपये प्रति क्विंटल रह गई है। यानी बाजार में करीब 10 से 15 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। ऑल इंडिया एक्सपर्ट एसोसिएशन के सदस्य और मध्य प्रदेश में अपूर्णा फूड के संचालक सचिन वर्मा ने बताया कि इस युद्ध के कारण बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय हालातों के चलते बासमती चावल के निर्यात पर टैक्स बढ़ गया है और शिपिंग लागत भी कई गुना बढ़ चुकी है। निर्यातक के ऊपर अतिरिक्त शुल्क का दबाव बढ़ रहा है। कई निर्यातकों ने फिलहाल माल भेजना रोक दिया है, क्योंकि रास्ते में माल फंसने से भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

बड़वानी का केला निर्यात प्रभावित: बड़वानी का केला अपनी मिठास और गुणवत्ता के लिए देश-विदेश में जाना जाता है। यहां से हर साल बड़ी मात्रा में केला इरान, इराक, इस्त्राइल, बहरीन, तुर्की और दुबई समेत कई मध्य-पूर्वी देशों में निर्यात होता रहा है। नर्मदा नदी के किनारे की उपजाऊ जमीन और पर्याप्त सिंचाई के कारण यहां के केले का स्वाद और आकार खास माना जाता है। हालांकि हालिया अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर अब किसानों की आमदनी पर भी दिखाई देने लगा है। निर्यातकों के अनुसार बंदरगाहों पर माल अटकने और मांग घटने से कीमतों में तेज गिरावट आई है। पहले जहां केले का भाव 2000 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल तक मिल रहा था, वहीं, अब यह घटकर करीब 1200 से 1300 रुपये प्रति क्विंटल रह गया है। निर्यातक संतोष लछेटा के अनुसार बड़वानी से केले का निर्यात वर्ष 2016 से शुरू हुआ था और पिछले साल करीब 1.6 लाख टन केला विदेश भेजा गया था। इस साल जिले में करीब ढाई से तीन करोड़ केले के पौधे लगाए गए हैं, लेकिन बाजार की सुस्ती से किसान चिंतित हैं।

आईपीएस यादव और शापू केंद्र में एडीजी रैंक में इम्पैनल

पहले से केंद्र में पदस्थ हैं दोनों अफसर, 2022 बैच के आईएएस सिहाग छोड़ेंगे एमपी

भोपाल ■ निसं

एमपी कैडर के दो आईपीएस अधिकारियों को केंद्र सरकार ने एडीजी और उसके समकक्ष पैनल में इम्पैनल किया है। दोनों ही अधिकारी पहले से ही केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं। केंद्र सरकार द्वारा तीस आईपीएस अधिकारियों के इम्पैनल की सूची में एमपी से दो अधिकारी शामिल हैं। उधर एमपी कैडर के 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रवि सिहाग एमपी छोड़ेंगे।

मध्यप्रदेश कैडर के 1998 बैच के जिन दो अधिकारियों को केंद्र सरकार की अपाइंटमेंट कमेटी ऑफ कैबिनेट ने एडीजी और उसके समकक्ष पद के लिए इम्पैनल किए जाने को मंजूरी दी है, उसमें आईपीएस अंशुमान यादव और साजिद फरीद शापू शामिल हैं।

दोनों ही अधिकारियों को एडीजी पद के लिए इम्पैनल किए जाने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। ये अधिकारी केंद्र में सीनियर अधिकारियों का पूल विकसित करने के लिए इम्पैनल किए गए हैं। इनकी सेवाओं का उपयोग केंद्र की पुलिसिंग को और मजबूत करने में किया जाएगा।

2022 बैच के आईएएस सिहाग छोड़ेंगे एमपी

एमपी कैडर के 2022 बैच के आईएएस अधिकारी रवि कुमार सिहाग को केंद्र शासित प्रदेश (एजीएमयूटी) का नया कैडर अलॉट किया गया है। सिहाग का कैडर बदलाव उनके मैरिज की वजह से हुआ है। सिहाग ने एजीएमयूटी कैडर की आईएएस अधिकारी इशिता राठी के साथ विवाह किया है। इसके बाद डीओपीटी को दिए गए आवेदन पर कैडर कमेटी ने सिहाग के लिए नए कैडर को मंजूरी दे दी है। सिहाग जल्दी ही एमपी कैडर से रिलीव होंगे।

12 की बजाय 13 महीने का होगा हिंदू नववर्ष रौद्र संवत्सर

वैश्विक तनाव की बनेगी स्थिति; भारत होगा मजबूत

भोपाल ■ निसं

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा पर गुड़ी पड़वा पर रौद्र नव सवंत्सर का आरंभ होगा। इस बार ज्येष्ठ अधिकमास होने से हिंदू नववर्ष 12 की बजाय 13 माह का रहेगा। संवत्सर का आरंभ गुरुवार के दिन होने से वर्ष के राजा देवगुरु बृहस्पति रहेंगे। धरतीपुत्र मंगल मंत्री होंगे। नया साल में वैश्विक तनाव, विश्व युद्ध, महंगाई तथा जनता के गुस्से से विश्व में सत्ता परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

महाकालेश्वर विद्वत परिषद के अनुसार चैत्र शुक्ल प्रतिपदा गुड़ी पड़वा से हिन्दू नववर्ष का आरंभ माना जाता है। इस बार 19 मार्च गुरुवार के दिन रौद्र संवत्सर विक्रम संवत 2083 की शुरुआत होगी। नए साल का तीसरा माह ज्येष्ठ अधिकमास अर्थात पुरुषोत्तम मास

होने से नया साल 12 की बजाया तेरह महीने का रहेगा।

सत्ता में परिवर्तन का बन सकता है कारण: पंचांग की गणना के अनुसार यह वर्ष राजनैतिक और वैश्विक तनाव, प्राकृतिक असंतुलन, महंगाई, विश्व युद्ध, राजनीतिक षड्यंत्र, रासायनिक तनाव, गृह युद्ध वाला रहेगा। इस साल महंगाई अपने चरम पर होगी। इसके कारण जनता का रौद्र रूप सत्ता में परिवर्तन का कारण भी बन सकता है। रौद्र संवत्सर में ब्राह्मण, संत, विद्वतजन अपमानित हो सकते हैं। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया हिन्दू नववर्ष रौद्र संवत्सर में ग्रहों की स्थिति तथा उनकी युति उथल पुथल मचा सकती है। वर्तमान में कुंभ राशि पर मंगल, राहु, बुध की युति बनी हुई है। मंगल, राहु एक साथ होने पर अंगारक योग बनाते हैं। नए साल में इसका प्रभाव विश्व में उथल-पुथल के रूप में नजर आएगा।

हालांकि बुध साथ होने से नकारात्मकता में कुछ कमी रह सकती है। लेकिन सूर्य, शुक्र, शनि की युति 12 वें क्रम का द्विर्द्वादश योग का निर्माण करेगी, जो विश्व में अस्थिरता का संकेत देती है। जुलाई, अगस्त माह में भारतीय रणनीति अपनी सफलता के चरणों पर आगे बढ़ेगी, इससे भारत का कद बढ़ेगा।

एम्स भोपाल में विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का सफल आयोजन, नेत्र स्वास्थ्य के प्रति लोगों को किया जागरूक

भोपाल ■ निसं

एम्स भोपाल अपने चिकित्सा सेवाओं और जनस्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण विषयों पर लोगों को जागरूक करने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर के मार्गदर्शन में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा 8 से 14 मार्च 2026 के बीच विश्व ग्लूकोमा सप्ताह का आयोजन किया गया। इस सप्ताह का उद्देश्य आम नागरिकों को ग्लूकोमा जैसी गंभीर नेत्र बीमारी के बारे में जागरूक करना और समय पर जांच तथा उपचार के महत्व को समझाना था।

सप्ताह के दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके। इसके अंतर्गत पोस्टर और बैनर के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाया गया तथा सरल भाषा में जानकारी देने वाले पम्पलेट का वितरण किया गया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य चर्चा आयोजित की गई, जिसमें लोगों को ग्लूकोमा के बारे में व्यावहारिक जानकारी और आवश्यक परामर्श दिया गया। इसके साथ ही मनोरंजक और शिक्षाप्रद नाटिका के माध्यम से इस बीमारी के लक्षणों और रोकथाम के बारे में संदेश दिया गया।

लोगों की सुविधा के लिए नेत्र जांच शिविर भी आयोजित किए गए, जहां नागरिकों को निःशुल्क नेत्र जांच और विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किया गया। इसके अलावा व्यापक स्तर पर जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिससे समाज में इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाने में मदद मिली।

सरकार ने बदले नियम, निर्देश जारी

अब ई-मेल और वॉट्सऐप से होगी विभागीय जांच की कार्रवाई

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश में बदलते डिजिटल दौर के साथ अब सरकारी विभागों में कदाचार या भ्रष्टाचार के मामलों में विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से भी की जा सकेगी। मध्य प्रदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने नियमों में संशोधन कर इस प्रक्रिया को वैधानिक मंजूरी दे दी है। विभाग के अपर सचिव अजय कटेसरिया द्वारा जारी आदेश के अनुसार विभागीय जांच से जुड़े नियम-30 में संशोधन किया गया है। अब ई-मेल, वॉट्सऐप और अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से भेजे गए नोटिस या निर्देश शासन की आधिकारिक प्रक्रिया के रूप में मान्य होंगे। संशोधित व्यवस्था के तहत किसी विभाग या वर्ग के शासकीय कर्मचारियों से जुड़ी विभागीय जांच या अनुशासनात्मक कार्रवाई से संबंधित निर्देश विभागीय पोर्टल के माध्यम से ई-मेल या अन्य डिजिटल तरीकों से भेजे जा सकेंगे। इसका अर्थ यह है कि अब आरोप पत्र जारी करने, जवाब मांगने या अन्य विभागीय कार्रवाई भी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से की जा सकेगी और इसे शासन की वैध प्रक्रिया माना जाएगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से भी होगी सुनवाई: नियमों में यह भी प्रावधान किया गया है कि विभागीय जांच के दौरान संबंधित अधिकारी या कर्मचारी को जांच अधिकारी के सामने भौतिक रूप से उपस्थित होने के बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी अपनी बात रखने की अनुमति दी जा सकेगी। संशोधित नियमों के अनुसार किसी आरोपी कर्मचारी या अधिकारी को नोटिस या आदेश की जानकारी देने के लिए व्यक्तिगत रूप से नोटिस देना, पंजीकृत डाक या स्पीड पोस्ट से भेजना या फिर शासकीय कर्मचारी की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर ई-मेल भेजने के तरीकों को वैध माना जाएगा।

नए कामों की अनुशंसा कर सकेंगे विधायक

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की गाइडलाइन में किया जा रहा संशोधन

भोपाल ■ निसं

पुल, पुलिया, आंगनवाड़ी, पंचायत, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, स्कूल भवन या फिर अन्य अधोसंरचना से जुड़े छोटे-मोटे कामों के अलावा अब विधायक वर्तमान दौर की जरूरतों के अनुसार नए कामों की अनुशंसा कर सकेंगे। दरअसल, इसके लिए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की गाइडलाइन में 13 साल बाद संशोधन किया जा रहा है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने विधायकों से सुझाव मांगे हैं। उनके आधार पर गाइडलाइन में बदलाव कर 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है।

गौरतलब है कि विधायक पिछले कुछ सालों से विधायक निधि बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। राज्य के बजट में विधायकों की निधि भले न बढ़ी हो, लेकिन अब वे वर्तमान दौर की जरूरतों के अनुसार कुछ नए कामों की अनुशंसा जरूर कर सकेंगे। जैसे वर्तमान दौर के अनुसार वे क्षेत्र के सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने विधायक निधि से अनुशंसा कर सकेंगे। श्मशान की बाउंड्रीवॉल बनवाने सहित अन्य काम भी करा सकेंगे। आयुक्त आर्थिक एवं सांख्यिकी विकास मिश्रा का कहना है कि विधायकों के सुझावों अनुसार कुछ नए काम जोड़े जाएंगे। नई गाइडलाइन 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। गौरतलब है कि कई बार विधायक निधि लैप्स हो जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में विधायक निधि के 577.50 करोड़ में से 548.7 करोड़ खर्च हुए। शेष राशि लैप्स हो गई। कई विधायक वित्तीय वर्ष के आखिर में बड़ी संख्या में अनुशंसाएं करते हैं। इससे भी काम अटक जाते हैं। 2025-26 में दिसंबर तक 238 करोड़ ही खर्च हो सके।

अभी विधायक शैक्षणिक भवनों की बाउंड्रीवॉल तो बनवा सकते हैं, लेकिन श्मशान घाट की बाउंड्री नहीं। इसकी मांग की गई है। सार्वजनिक वाचनालय बनवा सकते हैं। अब ई-लाइब्रेरी भी बनवा सकें। प्याऊ बनवा सकते हैं, पर आरओ-वाटर कूलर नहीं लगवा सकते। सीसीटीवी कैमरे भी नहीं लगवा सकते। अस्पतालों के लिए एंबुलेंस की सुविधा दे सकते हैं।

1 अप्रैल से लागू होगी गाइडलाइन

जानकारी के अनुसार, विधायकों की लगातार मांग के बाद विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना की गाइडलाइन में 13 साल बाद संशोधन किया जा रहा है। योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग ने विधायकों से सुझाव मांगे हैं। उनके आधार पर गाइडलाइन में बदलाव कर 1 अप्रैल से लागू करने की तैयारी है। उक्त योजना की शुरुआत वर्ष 1994 में हुई थी। तब 20 लाख रुपए प्रति वर्ष दिए जाते थे। गाइडलाइव में आखिरी बार 2013 में बदलाव हुआ था। अभी प्रति विधानसभा क्षेत्र हर वित्तीय वर्ष में विधायकों को 2.5 करोड़ के पूंजीगत स्वरूप के निर्माण कार्यों की अनुशंसा करने के अधिकार हैं। इसके अलावा प्रतिवर्ष 75 लाख की स्वेच्छानुदान निधि मिलती है, लेकिन पुरानी गाइडलाइन के अनुसार वे कई कार्यों के लिए अनुशंसा नहीं कर पाते। इसकी शिकायतें विधायकों में सीएम को की थीं। इसके बाद गाइडलाइन में बदलाव करने का फैसला लिया गया।

भोपाल में हिस्ट्रीशीटर के घर फायरिंग, बेटे को लगी गोली

हमीदिया अस्पताल पहुंचे तो बदमाशों ने वहां भी गोलीबारी की

भोपाल ■ निसं

भोपाल में शनिवार तड़के हुए गैंगवार में गोलियां चलीं। कुख्यात बदमाश लल्लू रईस के अशोका गार्डन स्थित घर पर शादाब गेट और उसके गिरोह के 8 से 10 साथियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में लल्लू रईस के बेटे इमरान के पैर में गोली लगी है। गोलीबारी को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी मौके से भाग निकले।

घायल इमरान को इलाज के लिए हमीदिया अस्पताल ले जाया गया। आरोप है कि बदमाशों ने अस्पताल परिसर में भी घुसकर गोलियां चलाईं, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। गोलियां अस्पताल की खिड़की और दीवार पर जाकर लगीं। लल्लू रईस ने बताया कि अस्पताल में मुझ पर भऊी फायरिंग की गई। गनीमत रही कि कोई गोली नहीं लगी। पुलिस के मुताबिक मामला अशोका गार्डन और कोहेफिजा थाना क्षेत्र से जुड़ा है। दोनों थानों की पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई हैं।

पीछा करते हुए घर तक पहुंचे आरोपी: लल्लू रईस के मुताबिक शादाब गेट, शावर, गुड्डू स्टेशन और अल्लू परवेज समेत 8 से 10 लोग शनिवार सुबह करीब 5:45 बजे शंकर गार्डन स्थित उनके घर पहुंच गए। बताया जा रहा है कि आरोपी उनके बेटे इमरान का पीछा करते हुए घर तक आए थे।

आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत होगी कार्यवाही

'टिक्कड़' केंटीन में अवैध रूप से रखे 27 एलपीजी सिलेंडर जब्त किए गए

खंडवा ■ निसं

एलपीजी गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण की जांच के लिए कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता ने राजस्व विभाग, पुलिस विभाग तथा खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के दल गठित किए हैं। राजस्व एवं खाद्य विभाग के संयुक्त दल ने शुक्रवार रात्रि में सिविल लाइन्स नगर खण्डवा स्थित टिक्कड़ कैन्टीन पर छापामार कार्रवाई करते हुए एलपीजी सिलेंडर के दुरूपयोग होते हुए पकड़ा। इस दल में सहायक कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण सुशीर, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बजरंग बहादुर सिंह, प्रभारी सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री अमित चौहान, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री रोहित देवल, कनिष्ठ आपूर्ति

अधिकारी श्री दानिश खान शामिल थे। जांच के दौरान टिक्कड़ कैन्टीन के प्रबंधक दीपक अरझरे की उपस्थिति में परिसर में भारत गैस कंपनी के 47.5 के.जी. क्षमता के 21 कमर्शियल सिलेण्डर व 19 किलोग्राम क्षमता के 10 कमर्शियल सिलेंडर एवं एच.पी.गैस कंपनी के 4 कमर्शियल सिलेंडर पाए गए।

इस दौरान मैनेजर दीपक अरझरे से पूछताछ कर गैस कनेक्शन के दस्तावेज़ मांगे गए, तो उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज से मिलान करने पर मौके पर बिना वैध कनेक्शन दस्तावेज़ के भारत गैस कंपनी के 47.5 कि.ग्रा. क्षमता के 9 भरे सील पैक व 6 खाली सिलेण्डर सहित कुल 15 सिलेण्डर पाए गए। इसके अलावा 19 कि.ग्रा. क्षमता के भारत गैस कंपनी के भरे हुए 4 सिलेण्डर व खाली 4 सिलेण्डर एवं एच.पी. कंपनी के 4 खाली गैस सिलेण्डर पाए गए। इस प्रकार अवैध रूप से कुल 27 एलपीजी सिलेंडर परिसर में रखे पाए गए, जिस पर जांचकर्ता अधिकारी द्वारा जब्त किए गए। जप्तशुदा सिलेंडरों की कुल कीमत 1,71,237 रूपए है । जप्त सिलेंडरों को मौके पर ही शुभांशी भारत गैस पिपलोदखास को आगामी आदेश तक सुरक्षित रखने हेतु सुपुर्दगी में दिए गए। कार्रवाई के अंतर्गत टिक्कड़ केंटीन के प्रबंधक दीपके अरझरे एवं मालिक अनिल जैन के विरूद्ध द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस प्रदाय और वितरण विनियमन आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत प्रकरण तैयार किया जाकर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया जा रहा है।

दशमी के दिन दशा माता की महिलाओं द्वारा की गई पूजा अर्चना

निमाड़ का प्रसिद्ध गणगौर पर्व का हुआ शुभारंभ, माता के खड़े आए बाड़ी बोई गई

खंडवा ■ निसं

निमाड़ में गणगौर का पर्व प्रारंभ हो चुका है माता के खड़े आए हैं और बाड़ी बोई है। शुक्रवार को चैत्र कृष्ण पक्ष की दशमी के दिन दशा माता की पूजा अर्चना की गई। बड़ी संख्या में महिलाओं ने पीपल के वृक्ष के नीचे बैठकर पूजा अर्चना की एवं पीपल वृक्ष के चारों ओर ढोरा बंधा गया। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि दशा माता देवी पार्वती का स्वरूप है, जिसकी पूजा दशमी को की जाती है, यह व्रत घर की दशा सुधारने और सुख समृद्धि लाने के साथ बुरी दशा को दूर करने के लिए रखा जाता है। दशमी के दिन महिलाओं ने गले में धागे की गांठ डालकर पीपल के पेड़ के नीचे बैठकर पूजा अर्चना के साथ सूत के धागे परिक्रमा करते हुए पीपल के वृक्ष को बांधे। समाजसेवी सुनील जैन ने बताया कि अलग-अलग सामाजिक महिला मंडलों द्वारा गणगौर पर्व को लेकर कार्यक्रम किये जा रहे हैं।

माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा पार्वती बाई धर्मशाला के बगीचे में गणगौर माता का बाना किया गया। कार्यक्रम में मंडल की महिलाओं ने विधि-विधान से गणगौर माता की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। मंडल की प्रतिभा राठी ने बताया कि शीतला सप्तमी से प्रतिदिन गणगौर माता को अलग-अलग स्थानों पर घुमाने ले जाया जाता है। वहां मंडल की सभी सदस्य माता को जल अर्पित करती हैं। इसके बाद माता को भोग लगाकर पारंपरिक झाले गीत गाए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

ग्वालियर में घर के बाहर खड़ी स्कूटी में आग लगाई

ग्वालियर। ग्वालियर के हजीरा थाना क्षेत्र के बिरला नगर में शराब के लिए पैसे नहीं देने पर दो युवकों ने एक व्यक्ति की घर के बाहर खड़ी स्कूटी में आग लगा दी। घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात की है। पूरी वारदात घर के बाहर लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि दूसरा फरार है। बिरला नगर निवासी जंडेल सिंह यादव ने पुलिस को शिकायत में बताया कि चेतन राजावत और पंकज कोली उससे शराब पीने के लिए पैसे मांग रहे थे। उसने पैसे देने से मना कर दिया, जिसके बाद दोनों युवक वहां से चले गए। शिकायत के अनुसार गुरुवार देर रात दोनों आरोपी फिर उसके घर के बाहर पहुंचे। एक आरोपी सड़क पर खड़ा होकर निगरानी करता रहा, जबकि दूसरा आरोपी घर के बाहर खड़ी स्कूटी के पास पहुंच गया।

जबलपुर में 26 थाना प्रभारियों को एसपी ने दी सजा

जबलपुर। जबलपुर जिले में अपराध नियंत्रण और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई में कमी पाए जाने पर एसपी संपत उपाध्याय ने 26 थाना प्रभारियों को निंदा की सजा दी है। यह सजा उनके सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज होगी, जिससे भविष्य में प्रमोशन के समय असर पड़ेगा। कंट्रोल रूम में आयोजित अपराध समीक्षा बैठक में एसपी ने 1 जनवरी 2025 से 15 फरवरी 2025 के बीच हुई प्रतिबंधात्मक कार्रवाई और लघु अधिनियम के तहत कार्रवाई के आंकड़ों की समीक्षा की। साथ ही 1 जनवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 की अवधि की भी तुलना की गई। समीक्षा के दौरान पाया गया कि 26 थाना प्रभारियों ने पिछले साल की तुलना में इस साल प्रतिबंधात्मक और लघु अधिनियम के तहत कम कार्रवाई की है। इसके बाद एसपी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निंदा की सजा सुनाई।

बुदनी सिविल अस्पताल की बदहाल व्यवस्थाएं उजागर

मरीजों को इलाज के नाम पर झेलनी पड़ रहीं परेशानियां

बुधनी ■ निसं

नगर के सिविल अस्पताल में अव्यवस्थाओं और लापरवाही का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अस्पताल में इलाज के नाम पर मरीजों और उनके परिजनों को आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कभी डॉक्टरों की अनुपस्थिति तो कभी मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण मरीजों की मुश्किलें बढ़ रही हैं, जिससे स्थानीय लोगों में नाराजगी भी देखने को मिल रही है। हाल ही में सामने आए एक मामले में वार्ड क्रमांक 12 निवासी नरेश बामने अपनी पत्नी दीपा, बहू राखी और बेटी मीना की तबीयत बिगड़ने पर शुक्रवार रात उन्हें लेकर सिविल अस्पताल पहुंचे। ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टर ने तीनों को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू किया। बताया जा रहा है कि दूषित खाद्य पदार्थ खाने से हुए संक्रमण की आशंका पर मरीजों को ड्रिप लगाई गई।

इलाज के दौरान तीनों मरीजों को ठंड लगने लगी, जिस पर परिजनों ने अस्पताल स्टाफ से कंबल उपलब्ध कराने की मांग की। आरोप है कि स्टाफ ने कंबल देने से मना कर दिया, जिससे नाराज परिजनों ने अस्पताल में हंगामा कर दिया। मामला बढ़ता देख स्टाफ ने बाद में

कांग्रेस नेता ने जताई नाराजगी, दी सत्याग्रह की चेतावनी

इस मामले को लेकर कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल (हनुमान जी) ने अस्पताल की व्यवस्थाओं पर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि बुदनी सिविल अस्पताल धीरे-धीरे मरीजों के लिए 'मौत का अड्डा' बनता जा रहा है। उनका आरोप है कि पिछले कई दिनों से मरीजों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें सामने आ रही हैं और व्यवस्थाओं के नाम पर केवल बहाने बनाए जा रहे हैं।

दूसरे वार्ड से कंबल मंगवाकर मरीजों को उपलब्ध कराए।

परिजनों का कहना है कि इमरजेंसी वार्ड में मरीजों को भर्ती करने से पहले बेड और अन्य व्यवस्थाएं पूरी तरह से तैयार होनी चाहिए, लेकिन अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही के कारण मरीजों को मूलभूत सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही हैं। नाराज परिजन देर रात ही मरीजों को घर ले गए, लेकिन शनिवार सुबह हालत में सुधार नहीं होने पर उन्हें दोबारा अस्पताल लाना पड़ा। बताया जा रहा है कि अस्पताल पहुंचने पर एक मरीज को इमरजेंसी वार्ड के बाहर लगी बेंच पर लेटा हुआ देखा गया। यह दृश्य देखकर वहां मौजूद लोगों ने नाराजगी जताई। मामला बिगड़ता देख अस्पताल स्टाफ ने तुरंत मरीज को बेंच से उठाकर वार्ड में शिफ्ट कराया। इस मामले में जब मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. डी. बड़ोदिया से चर्चा की गई तो उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीजों के लिए चादर और कंबल की व्यवस्था है, लेकिन कई बार मरीज ही उन्हें अपने साथ लेकर चले जाते हैं, जिससे कमी की स्थिति बन जाती है।

गौरतलब है कि करोड़ों रुपए की लागत से निर्मित बुधनी सिविल अस्पताल में पहले भी कई लापरवाही के मामले सामने आ चुके हैं। पिछले सप्ताह ही खराब डीप फ्रीजर में एक अज्ञात व्यक्ति का शव रखने के कारण शव सड़ गया था और उसकी दुर्गंध पूरे अस्पताल परिसर में फैल गई थी, जिससे वहां भर्ती मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बाद नगरवासियों का कहना है कि अस्पताल में इलाज के नाम पर लोगों को आए दिन परेशानियां झेलनी पड़ रही हैं।

विक्रम मस्ताल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द ही अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार नहीं किया गया तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों के साथ अस्पताल परिसर में सत्याग्रह किया जाएगा।

नगरवासियों ने स्वास्थ्य विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि सिविल अस्पताल की व्यवस्थाओं को जल्द सुधार कर मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिला नेतृत्व स्वच्छता सप्ताह

खंडवा ■ निसं

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिला नेतृत्व स्वच्छता सप्ताह के अंतर्गत झोन क्रमांक 6 पर ह्न्न्ढ द्यद्गड्डस्त्रह्य स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमाली समाज महिला मंडल द्वारा स्वच्छता को लेकर कार्यक्रम किया गया जिसके अंतर्गत समाज की वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान शाल एवं पुष्पहार से किया गया प्रश्न उत्तर कार्यक्रम डीटीडीसी गेम में भाग लेकर डीटीडीसी गेम प्रथम पुरस्कार प्राजंलि गंगराड़े, स्वच्छता परीक्षा में श्रीमती संगीता श्रीमाली एवं चित्र श्रीमाली द्वारा प्रथम पुरस्कार हासिल किया गया।

इस अवसर पर महिला मंडल द्वारा स्वच्छता की शपथ ली गई एवं ऑर्गेनिक रंग से फाग उत्सव मनाया गया कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय गान गाकर कार्यक्रम का समापन किया गया इस कार्यक्रम में लगभग 50 महिलाओं द्वारा भाग लिया गया इस अवसर पर स्व सहायता समूह द्वारा तैयार की गई धूपबत्ती भेंट स्वरूप दी गई।

उज्जैन में छात्राओं के साथ घूमने आए छात्र की पिटाई

उज्जैन। उज्जैन के रेलवे स्टेशन पर एक धर्म विशेष के छात्र को हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने जमकर पीट दिया। घटना का वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें कार्यकर्ता युवक से नाम पता पूछने के बाद उसकी पिटाई करते नजर आ रहे हैं। घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही है। जहां एक छात्र शेख अमन सतना से तीन छात्राओं के साथ उज्जैन रेलवे स्टेशन पर आया था। यहां पर हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं को सूचना लगने पर पहले उन्होंने छात्र से बात की। इस दौरान उसने बताया कि दोस्त के साथ उज्जैन घूमने आया था। इसके बाद हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने छात्र का आधार देखा तो पता चला कि युवक सतना से भोपाल फिर उज्जैन पहुंचा था। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने शेख की जमकर पिटाई कर दी। घटना का वीडियो वायरल हुआ है जिसमें हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता उज्जैन रेलवे स्टेशन के बाहर छात्र की पिटाई करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पुलिस ने आकर बीच बचाव किया और तीनों छात्रा और छात्र को जीआरपी के हवाले कर दिया। जीआरपी टीआई अमित भावसार ने बताया कि एक छात्र और तीन छात्राओं को थाने में बैठाया है। उनके परिवार वालों को सूचना दी है। सभी के आने पर बयान लेने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में

ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति का एक दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

सिवनी मालवा ■ निसं

विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 5 बासनिया कला के ग्राम चौकी गवां के शासकीय माध्यमिक शाला में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में मुख्य रूप से ग्राम पंचायत चौकी गवां के सरपंच श्रीमती कृष्णा लोवंशी मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक श्री हरिदास दायमा जी रहे विकास खंड समन्वयक श्री हरिदास दायमा जी ने उपस्थित प्रशिक्षणार्थी को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की परिकल्पना स्वैच्छिक संस्थाओं का गठन एवं प्रबंधन सामाजिक समरसता आदर्श ग्राम की अवधारणा एवं नरवाई मे आग नहीं लगाने का संदेश दिया

नवांकुर संस्था लक्ष्मी समाज कल्याण समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुगना लोवंशी ने

समिति के दस्तावेजीकरण पर क्षमता वर्धन किया बैठक रजिस्टर गतिविधि रजिस्टर आय व्यय रजिस्टर समाचार पत्र की कटिंग फोटोग्राफ्स पर विस्तार से जानकारी दी परामर्श दाता रघुवीर मालवीय ने मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम सीएम . सी .एल .डी .पी.पर समुदायिकता स्वावलंबन भूमि सुपोषण पर प्रशिक्षण दिया साथ में समिति के कार्यो गठन के उद्देश्य एवं ग्राम विकास में समिति की क्या भूमिका हो सकती है स्वच्छता स्वास्थ्य शिक्षा पर्यावरण एवं जल संरक्षण पर भी जानकारी दी ।

सभी समिति को आग्रह किया कि जैविक खेती करें एवं समुदाय को भी जागरूक करें भूमि में सुधार होगा शुद्ध अनाज मिलेगा राजेश सराठे ने समग्र ग्राम विकास की अवधारणा को स्पष्ट किया । विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा एवं सरपंच ने उपस्थित समितियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए श्याम रघुवंशी ने स्वैच्छिक संस्थाओं का गठन नवांकुर संस्था से अभिप्राय एवं समितियों के कार्यो पर जानकारी दी ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति चौकी जय राम लोवंशी ने जन अभियान परिषद के विकासखंड समन्वयक हरिदास दायमा को एक आम का पेड़ देकर सम्मानित किया ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम में रानीपुर चौकी गवां भैरोपुर की समिति ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है गैस एजेंसी संचालक मनीष अग्रवाल

- **गैस ऐजेंसी पर डीएसी नंबर और गैस बुक जमा कर**
- **थाना परिसर से पुलिस सुरक्षा में उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर दिऐ गए**
- **गैस उपभोक्ताओं ने ली राहत की सास**

सिवनी मालवा ■ निसं

तहसील में रसोई गैस सिलेंडर की भारी किल्लत के बाद उपभोक्ताओं को सिलेंडर के लिए गैस एजेंसी पर भारी भीड़ और उपभोक्ताओं के भटकने से बचाने के लिए गैस एजेंसी के संचालक मनीष अग्रबाल एवं प्रशासन के द्वारा उपभोक्ताओं की परेशानी को समझते हुए जिन उपभोक्ताओं का पूर्व में नंबर लग चुका था और उनके पास डीएसी नंबर था उन्हें राहत देते हुए गैस बुक ऐजेंसी पर जमा कर गैस सिलेंडर थाना परिसर से पुलिस सुरक्षा में वितरण किया जा रहा है।

स्थानीय उपभोक्ताओं का कहना है कि पूर्व में नंबर लगाने के बाद भी गैस एजेंसी के चक्कर लगाने के बावजूद उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहे था। गैस एजेंसी के पास भारी भीड़ होने से अत्यंत परेशानी हो रही थी प्रशासन और एजेंसी संचालक के द्वारा थाना परिसर से गैस वितरण की व्यवस्था की गई है जिससे हमें गैस सिलेंडर उपलब्ध हो रहा है हमें अब गैस की किसी प्रकार की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ा है वही कुछ उपभोक्ताओं का करना है कि गैस की बुकिंग हेतु ऑनलाइन नंबर पर बार-बार ट्राई करने के बाद भी हमारा नंबर नहीं लग रहा है बुकिंग नंबर पर गैस की बुकिंग हो जाती है तो हमें भी गैस सिलेंडर मिल सकेगा उपभोक्ता मधुसूदन राठौर का कहना था कि गैस की सिलेंडर लेने में हो रही परेशानी से बचने के लिए शासन एवं एजेंसी संचालक को पूर्व की तरह ही नियम अनुसार घरों तक सिलेंडर पहुंचने लगे तो लाइन लगने एवं सिलेंडर लेने की परेशानी भी दूर हो सकती है भारत सरकार द्वारा 25 दिन के बाद सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन करने के नियम बनाने से गैस की काला हजारी पर भी रोक लगेगी और उपभोक्ताओं को सिलेंडर प्राप्त करने में भी किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं होगी ।

लायन्स रीजन कॉन्फ्रेंस खण्डवा में 200 से अधिक अवॉर्ड से क्लब्स व पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

रीजन कांफ्रेंस श्रेया डिस्ट्रिक्ट की सर्वश्रेष्ठ कांफ्रेंस- डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल खण्डेलवाल

खंडवा ■ निसं

लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-1 के रीजन 11 श्रेया की रीजन कॉन्फ्रेंस का भव्य आयोजन शुक्रवार को खण्डवा के वृंदावन गार्डन में रीजन चेयरपर्सन लायन राजीव मालवीय के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल खण्डेलवाल रहे।

पीआरओ नारायण बाहेती ने बताया कि इस रीजन कॉन्फ्रेंस में आयोजक क्लब लायन्स क्लब खण्डवा सहित खण्डवा के लायन्स क्लब आनंद, लायन्स ओजस व लियो क्लब खण्डवा के साथ ही सनावद, बड़वाह, महेश्वर, बुरहानपुर, मूंदी, हरसूद, पंधाना, भीकनगांव व झिरनिया के लायन्स व लियो क्लब के 250 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे। कांफ्रेंस समिति चेयरमेन लायन गुरमीत सिंघ उबेजा ने सभी के आतिथ्य में स्वागत उद्बोधन दिया। रीजन चेयरपर्सन लायन राजीव मालवीय ने रीजन के सभी क्लब्स द्वारा जुलाई से अब तक किये गए सेवा व प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा करते हुए डिस्ट्रिक्ट व रीजन के लक्ष्यों की पूर्ति के आधार पर क्लब्स व पदाधिकारियों को विभिन्न अवॉर्ड से सम्मानित किया। इस अवसर पर 200 से अधिक

अवॉर्ड प्रदान किए गए। अवॉर्ड के साथ विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले साथियों को गिफ्ट के माध्यम से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन अनिल खण्डेलवाल के साथ विशेष अतिथि के रूप में नगर निगम अध्यक्ष अनिल विश्वकर्मा, वीडीजी महेश मालवीय, वीडीजी जय प्रकाश त्रिपाठी, वीडीजी राम जाट, पीडीजी रणवीर सिंह चावला, पीडीजी ईश्वरलाल मूंदड़ा, पीडीजी निर्मल जैन, पीडीजी साधना सोडानी, झोन चेयरपर्सन सीमा जैन, प्रेरणा दुबे, अणिमा उबेजा सहित डिस्ट्रिक्ट के अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अनिल खण्डेलवाल ने अपने उदबोधन में कहा कि निमाड़ रीजन 11राजीव मालवीय के नेतृत्व में सेवा व प्रशासनिक कार्यो में अग्रणी है। श्रेया कांफ्रेंस की सभी व्यवस्था की सराहना करते हुए इसे डिस्ट्रिक्ट की सर्वश्रेष्ठ कांफ्रेंस बताया।

कॉन्फ्रेंस चेयरमैन गुरमित सिंघ उबेजा, को-चेयरमैन नारायण बाहेती, राजीव शर्मा व प्रियंका गुजराती, रीजन सचिव घनश्याम वाधवा, डॉ. कमलेश चौधरी, संजय गंगराड़े, रजनी शर्मा ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आयोजक क्लब अध्यक्ष आशा उपाध्याय, सचिव ओमप्रकाश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पवन लाड़ तथा लियो क्लब खण्डवा अध्यक्ष सुमीत परिहार, आईपीपी अर्पित बाहेती, उपाध्यक्ष शिवम जायसवाल, सचिव अभिषु शर्मा, कोषाध्यक्ष केतन वर्मा, राकेश मालवीय एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने व्यवस्थाओं में सहयोग कर कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाया।

इंदौर-खंडवा रेल लाइन को पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी

इंदौर ■ निसं

इंदौर-खंडवा के बीच बनने वाली नई ब्रॉडगेज रेल लाइन के लिए पर्यावरण और वन मंत्रालय से प्रारंभिक अनुमति मिल गई है। इससे लंबे समय से अटकी परियोजना का रास्ता साफ हो गया है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। परियोजना के तहत 454 हेक्टेयर वनभूमि पर रेल लाइन बिछेगी और करीब 20 किमी क्षेत्र में 16 सुरंगें भी बनाई जाएंगी।

यह रेल परियोजना इंदौर सहित पूरे मालवा और निमाड़ क्षेत्र के विकास के लिए अहम मानी जा रही है। परियोजना के तहत 10 मार्च 2026 से 9 जून 2026 तक निर्माण कार्य शुरू करने की अस्थायी अनुमति दी गई है। सांसद शंकर लालवानी ने बताया कि वन भूमि उपयोग से जुड़ी आवश्यक सैद्धांतिक स्वीकृति मिल चुकी है, जिससे काम को तेजी से आगे बढ़ाया जा सकेगा।

परियोजना के लिए करीब 454 हेक्टेयर वनभूमि का उपयोग किया जाएगा। रेल लाइन बिछाने से पहले लगभग 1 लाख 34 हजार पेड़ों की कटाई की जाएगी। कुल 1 लाख 51 हजार पेड़ों को चिह्नित किया गया था, जिनमें से करीब 17 हजार पेड़ों को सुरक्षित रखने का निर्णय लिया गया है।

अनमोल वचन

जो अपने को बुद्धिमान समझता है वह सामान्यत: सबसे बड़ा मूर्ख होता है।
सुदर्शन

नियम के बिना और अभिमान के साथ किया गया तप व्यर्थ ही होता है।
वेदव्यास

सम्पादकीय

पीड़ित उपभोक्ताओं के आंसू पोछने का मंच है उपभोक्ता आयोग

उपभोक्ता के साथ कोई भी ठगी या सेवा में कमी न कर पाए,उपभोक्ता को कोई धोखा न दे सके ,कोई दुकानदार या सेवा प्रदाता झूठी सच्ची बाते करके किसी को खराब गुणवत्ता का सामान न बेच सके और किसी को खराब सेवा न दे सके ।इसके लिए सभी को जागरूक रहना आवश्यक है। उपभोक्ता आयोग एक ऐसा न्याय का मंदिर है जहां आप सुगमता से न्याय मांग सकते है ।उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 1986 यथा संशोधित 2019 की अधिसूचना भारत सरकार ने 15 जुलाई 2020 को जारी कर दी थी ।जिसके तहत 20 जुलाई सन 2020 से उक्त संशोधित कानून प्रभावी हो गया था।इस बदले कानून से उपभोक्ताओं को शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल रही है। इस कानून में किये गए बदलाव से उपभोक्ताओं को न्याय दिलाने के क्षेत्र में नई पहल का सूत्रपात हुआ है।उपभोक्ता संरक्षण संशोधित कानून, 2019 के तहत उपभोक्ता कही से भी उपभोक्ता अदालत में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। इस कानून में उपभोक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए साथ ही पुराने नियमों में सुधार की कोशिश भी की गई है ।जैसे सेंट्रल रेगुलेटर का गठन, भ्रामक विज्ञापनों पर भारी दंड और ई–कॉमर्स फर्मों और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस बेचने वाली कंपनियों के लिए सख्?त दिशानिर्देश इस नये कानून में शामिल किये गए हैं ।उपभोक्ता अब कहीं से भी यानि जहां वह निवास करता है या जहां से उसने सामान या सेवा खरीदी है ,में से कही से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है ।प्राय: न्यायालयो में तारीख पर तारीख दी जाती है,जिसकारण वादकारियों की चप्पलें तक घिस जाती है ।दीवानी न्यायालय के बारे में तो कहावत है कि दावा दादा करता है तो न्याय पोते को मिलता है ।इस मिथक को तोड़ने की आज सबसे बड़ी आवश्यकता है ।हालांकि यह काम यानि तारीख पर तारीख न देकर शीघ्र सहज न्याय देने का काम देश की उपभोक्ता अदालते,जो अब आयोग के रूप में परिवर्तित होकर उपभोक्ताओं को त्वरित न्याय उपलब्ध करा रही है ।हम कह सकते है, समय के साथ उपभोक्ताओ की सोच में भी अब बदलाव आया है ।अब खरीदी गई वस्तु के खराब निकलने पर सिर्फ अफसोस व्यक्त करके उपभोक्ता घर नही बैठता, बल्कि दुकानदार से शिकायत करने के साथ ही खराब वस्तु को बदलवाने के लिए उपभोक्ता आयोग तक का दरवाजा खटखटाता है ।इसी प्रकार खरीदी गई किसी सेवा में कमी मिलने पर उपभोक्ता अपने साथ हुए अन्याय के लिए प्रतिवाद करने लगा है और विभिन्न मंचो पर न्याय के लिए जाने लगा है। उपभोक्ताओं की शिकायतें सुनने के लिए जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उपभोक्ता अदालतें गठित हैं जिन्हें आयोग के रूप मान्यता दी गई है ।नए कानून के तहत उपभोक्ता अदालतों के क्षेत्राधिकार में बदलाव किया गया है। राज्य और राष्ट्रीय उपभोक्ता अदालतों के मुकाबले जिला अदालतों तक पहुंच ज्यादा होती है। इसलिए अब जिला उपभोक्ता अदालतें 50 लाख रुपये तक के मामलों की सुनवाई कर सकेंगी ।पहले जिला आयोग को एक करोड़ रुपये मूल्य के वादों की सुनवाई का अधिकार था,जो अब घटाकर 50 लाख रुपये तक किया गया है। अब उपभोक्ता अपनी शिकायत कही से भी दर्ज कर सकता है। पहले उपभोक्ता वहीं शिकायत दर्ज करा सकता था, जहां विक्रेता अपनी सेवाएं देता है या फिर उसकी कोई शाखा या कार्यालय जहां मौजूद है। ई–कॉमर्स अर्थात ऑन लाइन से बढ़ती खरीदारी को देखते हुए यह उपभोक्ताओं के हित मे यह एक अच्छा कदम है। इसके अलावा कानून में उपभोक्ता को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भी सुनवाई में शिरकत करने की इजाजत दी गई है। इससे उपभोक्ता का पैसा और समय दोनों बच सकेंगे और उसे न्याय भी जल्दी मिल सकेगा। उपभोक्ता कानून के इतिहास का अवलोकन करें तो पता चलता है कि सन 1966 में जेआरडी टाटा के नेतृत्व में कुछ उद्योगपतियों द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के तहत फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन की मुंबई में स्थापना की गई थी और इसकी शाखाएं कुछ प्रमुख शहरों में स्थापित की गईं। भारत मे उपभोक्ताओं के हित सुरक्षित करने के लिए उपभोक्ता आंदोलन का यह प्रथम प्रयास कहा जा सकता है ।वही स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना बीएम जोशी द्वारा 1974 में पुणे में की गई ।समय के साथ अनेक राज्यों में उपभोक्ता कल्याण हेतु संस्थाओं का गठन हुआ। इस प्रकार उपभोक्ता आन्दोलन देश मे आगे बढ़ता रहा और सन 24 दिसम्बर 1986 को तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पहल पर उपभोक्ता संरक्षण विधेयक संसद ने पारित किया और जो राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित होने के बाद देशभर में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के रूप में लागू हुआ। इस अधिनियम में बाद में सन 1993 ,सन 2002 व अब 2019 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन व्यापक संशोधनों के बाद यह एक सरल व सुगम अधिनियम हो गया है। इस अधिनियम के अधीन पारित उपभोक्ता अदालतों के आदेशों का पालन न किए जाने पर धारा 72 के अधीन कारावास व दण्ड का प्रावधान किया गया है।

चिंतन-मनन

जीव है आध्यात्मिक स्फुलिंग

भगवद्गीता में भगवान ने बताया गया है कि जीव भौतिक शरीर नहीं है। वह आध्यात्मिक स्फुलिंग है और परम सत्य परम पूर्ण है। उन्होंने जीव को परम पूर्ण का अंश बताते हुए पूर्ण पर ही ध्यान लगाने की सलाह दी है। कहते हैं कि जो मनुष्य भौतिक शरीर का त्याग करते समय कृष्ण का ध्यान करता है, वह तुरंत कृष्ण के धाम को चला जाता है। भगवान स्पष्ट कहते हैं कि योगियों में से, जो भी अपने अन्त:करण में निरंतर कृष्ण का चिन्तन करता है, वही परम सिद्ध माना जाता है। इसका यही निष्कर्ष है कि मनुष्य को कृष्ण के सगुण रूप के प्रति अनुरक्त होना चाहिए, क्योंकि वही चरम आत्म–साक्षात्कार है। इतने पर भी ऐसे लोग हैं जो कृष्ण के साकार रूप के प्रति अनुरक्त नहीं होते। वे परम सत्य के उस निराकार रूप का ही ध्यान करना श्रेष्ठ मानते हैं, जो इन्द्रियों की पहुंच के परे है तथा अप्रकट है।

इस तरह सचमुच में अध्यात्मवादियों की दो श्रेणियां हैं। अर्जुन यह निश्चित कर लेना चाहता है कि कौन सी विधि सुगम है और इन दोनों श्रेणियों में से कौन सर्वाधिक पूर्ण है। दूसरे शब्दों में, वह अपनी स्थिति स्पष्ट कर लेना चाहता है, क्योंकि वह कृष्ण के सगुण रूप के प्रति अनुरक्त है। वह निराकार ब्रह्म के प्रति आसक्त नहीं है। वह जान लेना चाहता है कि उसकी स्थिति सुरक्षित तो है! निराकार स्वरूप, चाहे इस लोक में हो, चाहे भगवान के परम लोक में, ध्यान के लिए समस्या बना रहता है। वास्तव में कोई भी परम सत्य के निराकार रूप का ठीक से चिन्तन नहीं कर सकता। अत: अर्जुन कहना चाहता है कि इस तरह से समय गंवाने से क्या लाभ? अर्जुन को अनुभव हो चुका है कि कृष्ण के साकार रूप के प्रति आश्वसक्त होना श्रेष्ठ है, क्योंकि इस तरह वह एक ही समय अन्य सारे रूपों को समझ सकता है और कृष्ण के प्रति उसके प्रेम में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं पड़ता। अत: अर्जुन द्वारा कृष्ण से इस महत्वपूर्ण प्रश्न के पूछे जाने से परम सत्य के निराकार तथा साकार स्वरूपों का अन्तर स्पष्ट हो जाएगा।

युद्ध की आंच में झुलसती वैश्विक अर्थव्यवस्था और बढ़ती महंगाई का खतरा

कांतिलाल मांडोत

तेल की कीमतों में तेजी इस संकट का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आई है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर लगभग 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। कुछ ही दिनों में तेल की कीमतों में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तेल की कीमतों में इतनी तेज वृद्धि का सीधा कारण पश्चिम एशिया में पैदा हुई।

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब केवल दो देशों का सैन्य टकराव नहीं रह गया है बल्कि यह धीरे धीरे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाला संकट बनता जा रहा है। पश्चिम एशिया में चल रहा यह संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार व्यापारिक गतिविधियों और वित्तीय बाजारों पर गहरा असर डाल रहा है। युद्ध के दसवें दिन ही दुनिया ने इसका आर्थिक प्रभाव साफ तौर पर महसूस करना शुरू कर दिया है। कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आई तेज वृद्धि और शेयर बाजारों में आई गिरावट ने यह संकेत दे दिया है कि यदि यह संघर्ष लंबा चला तो इसका असर केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि हर देश की अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों के जीवन पर पड़ेगा।

तेल की कीमतों में तेजी इस संकट का सबसे बड़ा संकेत बनकर सामने आई है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें बढ़कर लगभग 119 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं जो जुलाई 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर माना जा रहा है। कुछ ही दिनों में तेल की कीमतों में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। तेल की कीमतों में इतनी तेज वृद्धि का सीधा कारण पश्चिम एशिया में पैदा हुई अनिश्चितता और आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। खाड़ी क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक और निर्यातक क्षेत्रों में से एक है इसलिए वहां होने वाला कोई भी सैन्य संघर्ष वैश्विक ऊर्जा बाजार को तुरंत प्रभावित करता है। निवेशकों और व्यापारियों को डर है कि यदि युद्ध और फैलता है तो तेल की आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ सकता है जिससे कीमतों में और तेजी आ सकती है।

तेल की कीमतों में इस उछाल का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। भारत दुनिया के उन प्रमुख देशों में शामिल है जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात के जरिए पूरा करते हैं। इसलिए कच्चे तेल की कीमतों में हर बढ़ोतरी सीधे देश की आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित करती है। इसी आशंका के कारण भारतीय शेयर बाजार में भी भारी गिरावट देखने को मिली। दो दिन के अवकाश के बाद जब बाजार खुला तो निवेशकों में डर और अनिश्चितता का माहौल था। परिणामस्वरूप बाजार खुलते ही भारी बिकवाली शुरू हो गई और सेंसेक्स लगभग 1800 अंक नीचे खुला। थोड़ी ही देर में गिरावट बढ़कर 2492 अंकों तक पहुंच गई जिसने निवेशकों को और चिंतित कर दिया। दिन के अंत में बाजार में थोड़ी स्थिरता जरूर दिखाई दी लेकिन नुकसान काफी बड़ा रहा। सेंसेक्स अंतत: 1352.74 अंकों की गिरावट के साथ 77566.16 पर बंद हुआ जबकि निफ्टी भी 422 अंकों से अधिक गिरकर 24028 के आसपास बंद हुआ। लगातार गिरावट के कारण दोनों प्रमुख सूचकांक लगभग ग्यारह महीनों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। बाजार में आई इस गिरावट का सबसे अधिक असर उन क्षेत्रों पर पड़ा जो सीधे तेल और परिवहन लागत से जुड़े हैं। तेल कंपनियां ऑटोमोबाइल उद्योग धातु उद्योग एविएशन और लॉजिस्टिक कंपनियों के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। बाजार में इस गिरावट से निवेशकों की लगभग आठ लाख करोड़ रुपये की पूंजी कम हो गई जो इस संकट की गंभीरता को दर्शाती है।

सरकार का कहना है कि फिलहाल महंगाई पर इसका बड़ा असर पड़ने की संभावना नहीं है क्योंकि देश में मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत नियंत्रित स्तर पर है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार युद्ध शुरू होने से पहले भारतीय तेल बास्केट की कीमतें गिरावट की ओर थीं और दो मार्च तक यह लगभग 69 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से बढ़कर 80 डॉलर के आसपास पहुंची थीं। उनका कहना है कि सरकार स्थिति पर लगातार नजर रख रही है और यदि जरूरत पड़ी तो आवश्यक कदम उठाए जाएंगे ताकि आम लोगों पर इसका असर कम से कम पड़े। हालांकि आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतों में यह तेजी लंबे समय तक बनी रहती है तो इसका असर परिवहन लागत उत्पादन खर्च और अंततः उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों पर जरूर पड़ेगा। इसका मतलब यह है कि महंगाई बढ़ने का खतरा पूरी तरह टला नहीं है।

ऊर्जा बाजार के अलावा इस युद्ध ने वैश्विक व्यापार और आपूर्ति श्रृंखला को भी गंभीर रूप से प्रभावित किया है। समुद्री मार्गों में बढ़ते जोखिम के कारण कई जहाजों को अपने रास्ते बदलने पड़ रहे हैं और कुछ जहाजों को यात्रा बीच में ही रोकनी पड़ रही है। इसके कारण दुनिया भर के कई कंटेनर बंदरगाहों और समुद्री मार्गों में फंस गए हैं। भारत का लगभग 12000 करोड़ रुपये मूल्य का निर्यात माल भी इसी संकट में फंसा हुआ है। यह स्थिति भारतीय निर्यातकों के लिए बड़ी चिंता का कारण बन गई है क्योंकि माल की डिलीवरी में देरी होने से व्यापारिक अनुबंध प्रभावित हो सकते हैं और कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। लॉजिस्टिक्स कंपनियों के अनुसार युद्ध के कारण शिपिंग कंपनियों ने कई नए आकस्मिक शुल्क लागू कर दिए हैं। सामान्य परिस्थितियों में जहां एक कंटेनर की ढुलाई लागत लगभग 800 से 1500 डॉलर के बीच होती थी वहीं अब यह लागत कई गुना बढ़ गई है। कई मामलों में प्रति कंटेनर लगभग 4000 डॉलर तक अतिरिक्त शुल्क देना पड़ रहा है। इन अतिरिक्त शुल्कों में युद्ध जोखिम अधिभार आपातकालीन लागत वसूली शुल्क और पीक सीजन शुल्क जैसे कई नए चार्ज शामिल हैं। इससे निर्यातकों की लागत अचानक बढ़ गई है और उनके मुनाफे पर गंभीर असर पड़ रहा है।

इस संकट का सबसे अधिक असर उन वस्तुओं पर पड़ रहा है जो जल्दी खराब हो जाती हैं। बंदरगाहों पर बड़ी मात्रा में तरल माल निकासी की प्रतीक्षा कर रहा है जबकि लगभग 939 टन जल्दी खराब होने वाला माल भी फंसा हुआ है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो इन वस्तुओं को भारी नुकसान हो सकता है। इसके अलावा समुद्र में फंसे कंटेनरों में लगभग चार लाख टन बासमती चावल भी शामिल है जो भारत के प्रमुख निर्यात उत्पादों में से एक है। बासमती चावल का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों में निर्यात किया जाता है और यदि युद्ध के कारण वहां व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो भारतीय किसानों और निर्यातकों दोनों को नुकसान हो सकता है। इसी तरह भारत का काबुली चना भी खाड़ी क्षेत्र के देशों में बड़ी मात्रा में निर्यात होता है। पिछले दो वर्षों में इसका निर्यात लगभग दोगुना हो गया था और इसमें ईरान अरब देशों और तुर्किए की बड़ी हिस्सेदारी रही है। लेकिन वर्तमान युद्ध के कारण इन देशों के साथ व्यापारिक गतिविधियां बाधित हो रही हैं जिससे इस निर्यात पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है तो भारतीय कृषि निर्यात को भी बड़ा झटका लग सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेल की कीमतों में आई वृद्धि को इस संघर्ष की परिस्थितियों में उचित बताया है। उनका कहना है कि यदि ईरान के परमाणु कार्यक्रम से उत्पन्न खतरे को समाप्त करना है तो कुछ समय के लिए तेल की कीमतों में वृद्धि को स्वीकार करना पड़ेगा।

हरीश राणा मामला: जीवन का अधिकार और गरिमामय मृत्यु की बहस

सुनील कुमार महला

वास्तव में अदालत का यह निर्णय इसलिए ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें भारतीय संविधान, मानवीय संवेदना और चिकित्सा विज्ञान की वास्तविक स्थिति–तीनों को ध्यान में रखकर यह फैसला सुनाया गया है। दरअसल,हरीश राणा पिछले 13 वर्षों से कोमा की अवस्था में थे। वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में बीटेक की पढ़ाई के दौरान वे एक इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। इस दुर्घटना के बाद से वे कभी होश में नहीं आ सके और लगातार कोमा की स्थिति में ही रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी लंबे समय से चली आ रही इस अवस्था को देखते हुए।

बुधवार, 11 मार्च 2026 को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील फैसला सुनाया है। पाठक जानते होंगे कि अदालत ने गाजियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को पैसिव यूथेनेसिया (निष्क्रिय इच्छामृत्यु) की अनुमति प्रदान की है। वास्तव में अदालत का यह निर्णय इसलिए ऐतिहासिक व महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसमें भारतीय संविधान, मानवीय संवेदना और चिकित्सा विज्ञान की वास्तविक स्थिति–तीनों को ध्यान में रखकर यह फैसला सुनाया गया है। दरअसल,हरीश राणा पिछले 13 वर्षों से कोमा की अवस्था में थे। वर्ष 2013 में चंडीगढ़ में बीटेक की पढ़ाई के दौरान वे एक इमारत की चौथी मंजिल से गिर गए थे, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। इस दुर्घटना के बाद से वे कभी होश में नहीं आ सके और लगातार कोमा की स्थिति में ही रहे। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी लंबे समय से चली आ रही इस अवस्था को देखते हुए पैसिव यूथेनेसिया की अनुमति दी ।यहाँ पाठकों को बताना आवश्यक है कि पैसिव यूथेनेसिया का अर्थ है–ऐसे मरीज को दिए जा रहे कृत्रिम जीवनरक्षक उपचार (जैसे वेंटिलेटर, फीडिंग ट्यूब या अन्य चिकित्सा उपकरण) को बंद कर देना, जो लंबे समय से असाध्य बीमारी या कोमा की स्थिति में हो और जिसके स्वस्थ होने की कोई वास्तविक संभावना न हो। उल्लेखनीय है कि इसमें मरीज को मृत्यु देने के लिए कोई दवा नहीं दी जाती, बल्कि केवल जीवन को कृत्रिम रूप से बनाए रखने वाले साधनों को हटा दिया जाता है, जिससे मरीज स्वाभाविक रूप से मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। सामान्यत: अदालत या परिवार की सहमति तथा चिकित्सकों की सलाह के बाद ही इसकी अनुमति दी जाती है, ताकि मरीज को लंबे समय तक होने वाली असहनीय पीड़ा से मुक्ति मिल सके। हाल फिलहाल, चिकित्सकों के अनुसार, हरीश राणा के स्वस्थ होने की संभावना लगभग समाप्त हो चुकी है और वे जीवनरक्षक उपकरणों के सहारे ही जीवित हैं। लगातार बिस्तर पर पड़े रहने के कारण उनके शरीर पर घाव भी हो चुके हैं। ऐसी स्थिति में उनके माता–पिता ने अदालत से अनुरोध किया कि उनके बेटे को इच्छामृत्यु की अनुमति दी जाए, क्योंकि अब उसके जीवन में पुनर्वास की कोई वास्तविक संभावना नहीं बची है। बहरहाल, इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को निर्देश दिया है कि हरीश राणा को पैलिएटिव केयर में भर्ती किया जाए और चिकित्सा विशेषज्ञों की देखरेख में जीवनरक्षक उपकरणों को हटाने की प्रक्रिया पूरी की जाए ।गौरतलब है कि पैलिएटिव केयर वह चिकित्सा व्यवस्था है, जिसका उद्देश्य गंभीर या असाध्य बीमारियों से पीड़ित रोगियों के दर्द, कष्ट और मानसिक–भावनात्मक पीड़ा को कम करना तथा उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाना होता है। इसमें बीमारी को पूरी तरह ठीक करने के बजाय रोगी को आराम, सम्मान और सहारा प्रदान करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है। दूसरे शब्दों में कहें तो पैलिएटिव केयर ऐसी चिकित्सा पद्धति है, जिसका उद्देश्य असाध्य रोगों से पीड़ित रोगियों को उपचार की अंतिम अवस्था में भी गरिमा और सहारा प्रदान करना है।

हाल फिलहाल यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो यह फैसला एक ऐसे व्यक्ति के बारे में है, जो बहुत लंबे समय से कोमा में था और जिसके ठीक होने की कोई उम्मीद नहीं थी। अदालत ने माना कि किसी व्यक्ति को वर्षों तक केवल मशीनों के सहारे पीड़ा में जीवित रखना उचित नहीं है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने पैसिव यूथेनेसिया की अनुमति दी। न्यायाधीशों ने भी स्वीकार किया कि यह निर्णय लेना आसान नहीं था, क्योंकि इसमें एक इंसान के जीवन से जुड़ा अत्यंत संवेदनशील प्रश्न था। किंतु न्यायालय का मत था कि जैसे प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार है, वैसे ही उसे गरिमा के साथ मृत्यु का अधिकार भी होना चाहिए। दरअसल, यह फैसला भारतीय संविधान के अनुच्छेद–21 पर आधारित है, जो प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। उल्लेखनीय है कि न्यायालय पहले भी इस अधिकार को सम्मानजनक जीवन से जोड़ चुका है ।भारत में इच्छामृत्यु को लेकर न्यायालय के निर्णय धीरे–धीरे विकसित हुए हैं। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अरुणा शानबाग मुंबई के किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल में नर्स थीं तथा वर्ष 1973 में अस्पताल के ही एक कर्मचारी ने उन पर क्रूर हमला किया, जिससे उनके मस्तिष्क को गंभीर क्षति पहुँची और वे स्थायी कोमा जैसी अवस्था में चली गईं। वे लगभग 42 वर्षों तक इसी स्थिति में रहीं और अस्पताल की नर्सें उनकी देखभाल करती रहीं। बाद में, वर्ष 2011 में इस मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ पैसिव यूथेनेसिया को अनुमति दी, हालांकि अरुणा शानबाग के मामले में इसे लागू नहीं किया गया, क्योंकि अस्पताल का स्टाफ उनकी देखभाल जारी रखना चाहता था। यह निर्णय भारत में इच्छामृत्यु को लेकर कानूनी बहस का एक महत्वपूर्ण आधार बना। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज बनाम भारत संघ मामले में सुप्रीम कोर्ट ने पैसिव यूथेनेसिया को कानूनी मान्यता प्रदान की और 'लिविंग विल' की व्यवस्था को भी स्वीकार किया। लिविंग विल का अर्थ है कि कोई व्यक्ति पहले से लिखित रूप में यह घोषित कर सकता है कि यदि वह भविष्य में ऐसी स्थिति में पहुँच जाए।

इच्छा मृत्यु केवल कानून ही नहीं, मानवीय गरिमा का प्रश्न

ललित गर्ग

भारतीय समाज में यह गहरी धारणा रही है कि परिवार के किसी सदस्य की सेवा तब तक की जाए, जब तक उसके प्राण स्वाभाविक रूप से समाप्त न हो जाएं। जीवन की रक्षा और उसकी देखभाल को एक नैतिक कर्तव्य के रूप में देखा जाता रहा है। यही कारण है कि भारतीय परिवारों में रोगी की सेवा केवल चिकित्सा का विषय नहीं होती, बल्कि भावनात्मक, धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से भी जुड़ी होती है। कई बार यह भी देखा गया है कि प्रियजन की मृत्यु के बाद भी उसे लंबे समय तक जीवन लौटने की आशा में संभालकर रखा जाता रहा है। लेकिन जब कोई व्यक्ति ऐसी स्थिति में पहुंच जाए, जहां से सामान्य जीवन में लौटने की कोई संभावना न हो और उसका अस्तित्व केवल कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर रह जाए, तब यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या केवल जैविक अस्तित्व को बनाए रखना ही जीवन की रक्षा है? या फिर जीवन की गरिमा को ध्यान में रखते हुए व्यक्ति को पीड़ा से मुक्ति देने का अधिकार भी स्वीकार किया जाना चाहिए? इसी जटिल और संवेदनशील प्रश्न के केंद्र में 11 मार्च 2026 को भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिया गया वह निर्णय है, जिसमें गाज़ियाबाद के 31 वर्षीय हरीश राणा को निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी गई। लगभग तेरह वर्षों से कोमा में जीवन बिताने वाले इस युवक के मामले में अदालत का यह निर्णय केवल एक कानूनी आदेश भर नहीं है, बल्कि जीवन, मृत्यु और मानवीय गरिमा के बीच संतुलन खोजने का एक गंभीर एवं संवेदनशील प्रयास भी है। दरअसल, हरीश राणा का मामला हमें यह सोचने के लिए बाध्य करता है कि इच्छामृत्यु का प्रश्न केवल कानून का विषय नहीं है, बल्कि एक गहरी मानवीय कहानी भी है। यह एक ऐसे युवा की कहानी है, जिसका जीवन एक दुर्घटना के बाद अचानक बदल गया और जो तेरह वर्षों तक एक मौन जीवन–मृत्यु संघर्ष में जीता रहा। उस संघर्ष में शब्द नहीं थे, संवाद नहीं था, केवल एक स्थिर और असहाय जैविक अस्तित्व था। ऐसे में परिवार, चिकित्सकों और समाज के सामने यह कठिन दुविधा खड़ी हो जाती है कि जीवन को किस सीमा तक कृत्रिम रूप से बनाए रखा जाए। इस निर्णय का सबसे महत्वपूर्ण आधार भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 है, जो प्रत्येक व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार प्रदान करता है। समय के साथ न्यायपालिका ने इस अनुच्छेद की व्याख्या को व्यापक बनाते हुए यह स्पष्ट किया कि जीवन का अधिकार केवल सांस लेने या जीवित रहने का अधिकार नहीं है, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार भी है। इसी संवैधानिक दृष्टिकोण ने आगे चलकर यह प्रश्न उठाया कि यदि व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार है, तो क्या उसे गरिमापूर्ण मृत्यु का अधिकार भी नहीं होना चाहिए? भारत में इच्छामृत्यु से जुड़ा न्यायिक विमर्श धीरे–धीरे विकसित हुआ है। वर्ष 2011 में अरुणा शानबाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने पहली बार निष्क्रिय इच्छामृत्यु की अनुमति दी थी। यह मामला एक ऐसी नर्स का था, जो दशकों तक कोमा की स्थिति में रही। उस निर्णय ने इस विषय पर व्यापक राष्ट्रीय बहस को जन्म दिया। इसके बाद वर्ष 2018 में कॉमन कॉज़ बनाम भारत संघ के ऐतिहासिक फैसले में अदालत ने निष्क्रिय इच्छामृत्यु को संवैधानिक मान्यता देते हुए 'लिविंग विल' की अवधारणा को स्वीकार किया। इसके अनुसार कोई व्यक्ति अपने जीवनकाल में ही यह लिखित रूप में व्यक्त कर सकता है कि यदि वह असाध्य स्थिति में पहुंच जाए तो उसे कृत्रिम जीवन रक्षक प्रणालियों पर निर्भर न रखा जाए। हरीश राणा के मामले में चिकित्सा विशेषज्ञों के बोर्ड ने यह स्पष्ट किया कि निरंतर उपचार का कोई चिकित्सीय उद्देश्य शेष नहीं रह गया था। चिकित्सा केवल जैविक अस्तित्व को लंबा खींचने का माध्यम बन गई थी। ऐसे में अदालत की स्वीकृति इस कठिन सत्य को स्वीकार करती है कि जीवन की गरिमा केवल जीने में ही नहीं, बल्कि मृत्यु में भी बनी रहनी चाहिए। फिर भी इच्छामृत्यु का प्रश्न अत्यंत जटिल और विवादास्पद रहा है।

खास बात

भारतीय न्याय संहिता,अपराधियों का बचाव?

देश में भारतीय न्याय संहिता जब से लागू की गई है। उसके जो प्रावधान हैं।इसका लाभ अपराधियों को मिलना तय है। अपराध कम होंगे या नहीं यह कहना मुश्किल है। फॉरेंसिक लैब में लाखों मामले लंबित हैं। फोरेंसिक विशेषज्ञ के पद राज्य सरकारों की लैब में खाली पड़े हुए हैं। जिसके कारण कानून के अनुसार जांच नहीं हो पा रही है।इसका फायदा अपराधियों को मिलना तय है। आपराधिक मामलों की जांच रिपोर्ट समय पर न्यायालय तक नहीं पहुंच पा रही है। जिसका फायदा अपराधियों को मिल रहा है।इसी को कहते हैं लड़का सीखे।

ईरान की ताकत के सामने अमेरिका- इजरायल बेबस?

शनि राहु केतु और गुरु ग्रह इस समय न्याय की मुद्रा में है। दुनिया के बड़े–बड़े अहंकारी राजाओं को, वह दिन देखना पड़ रहे हैं। जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की थी।अमेरिका और इजरायल जहां ईरान मे अपने पिट्ठू को सत्ता सौंपना चाहते थे। ईरान में बगावत करने के हर संभव उन्होंने प्रयास किए थे।वह सफल नहीं हो पाया, उल्टे अमेरिका और इजरायल के डोनाल्ड ट्रंप और नेतन्याहू अपनी जान बचाने यहां से वहां भागते हुए नजर आ रहे हैं।जो गड्ढा उन्होंने ईरान सुप्रीमो खामनेई के लिए खोदा था। उस गड्ढे में वह खुद गिरने जा रहे हैं। इसे कहते हैं, समय के आगे सब बेबस हैं।

भारत सरकार को ईरान की ताकत समझ आई

भारत सरकार अब ईरान के संपर्क में है। जो गलतियां पिछले 15 दिन में भारत से हुई थी। अब भारत सरकार उन गलतियों को सुधार रही है। ईरान ने भारत सरकार के तीन बार बात करने पर अपने रुख में परिवर्तन किया है।भारत के कुछ जहाजों को हारमुज खाड़ी से निकलने की परमिशन दे दी है। ईरान ने जो ताकत सारी दुनिया को दिखाई है। उसने भारत सरकार की आंखों को भी खोल दिया है। इसराइल और अमेरिका का चश्मा भारत सरकार की नजरों से उतर चुका है।यही कहा जा सकता है।

शेयर बाजार की मंदी से अर्थ व्यवस्था को भारी नुकसान?

मार्च माह में भारतीय शेयर बाजार में लगातार गिरावट का दौर जारी है।प्रमुख सूचकांक मुंबई स्टॉक एक्सचेंज मे लगभग 3000 अंकों, निफ्टी 50 में लगभग 900 अंकों की गिरावट हुई है।शेयर बाजार का सेंसेक्स 75000 के नीचे आ गया है।भारतीय शेयर बाजार की पूंजी को 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ है।जिसके कारण निवेशकों में भारी घबराहट है।बाजार में भगदड़ की स्थिति बन गई है।इस गिरावट का असर देश की प्रमुख वित्तीय संस्थाओं जिसमे भारतीय जीवन बीमा निगम, बैंकों, म्यूचुअल फंडों एवं अन्य वित्तीय संस्थानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है,जिनके निवेश का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार मे है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, चैत्र कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथि, एकादशी, शनिवार, उत्तराषाढ़ नक्षत्रे, वल योगे, वव करणे, मकर की चंद्रमा, मीने रवि 50/30 सर्वार्थ सिद्ध योगे तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी–हठी, हनुमान भक्त, सुन्दर, सुशील, कोमल हृदय, लकड़ी तथा लोहे की सरिये का व्यापारी, हार्डवेयर, सीमेंट उद्योग, ईट का व्यापारी, धनीमानी, वक्ता होगा।

मेष राशि– अशुद्ध गोचर रहने से विशेष रुप से आय सतर्क रहें, थकान व बेचैनी बढ़ेगी।

वृष राशि– अशुद्ध गोचर रहने से कार्य में बाधा होगी, शरीरिक कष्ट तथा भय होगा।

मिथुन राशि– कुटुम्ब से तनाव व क्लेश, अशांति तथा मानसिक विभ्रम अवश्य ही होगा।

कर्क राशि– अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य स्थगित रखें, मानसिक शुद्धता बनेगी।

सिंह राशि– स्त्री वर्ग से कष्ट, चिन्ता तथा व्यवसाय नरम होगा, बने कार्य रुकेंगे।

कन्या राशि– अधिकारियों से तनाव, क्लेशप्रद स्थिति से बचिये, दैनिक कार्यगति मंद अवश्य होगी।

तुला राशि– अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्यगति स्थगित रखें, समय को अनुकूल बनायें।

वृश्चिक राशि– अशुद्ध गोचर रहने से विशेष कार्य बाधा होगी, परिश्रम सफल होगा ध्यान दें।

धनु राशि– व्यवसाय में बेचैनी, तनाव की स्थिति रहेगी, परिश्रम से सफलता मिलेगी।

मकर राशि– चोटादि की संभावना है, अशुद्ध गोचर रहने से कार्य हानि होगी।

कुंभ राशि– स्त्री वर्ग व संतान से तनाव, क्लेश व अशांति, मानसिक बेचैनी अवश्य बनेगी।

मीन राशि– समय ठीक नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें, कार्य व्यवसाय बनेगा, समय का ध्यान रखें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

15 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मीन	06.12 बजे से
चंद्र	मकर में	मेष	07.43 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.23 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.21 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.34 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.50 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.02 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.13 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.28 ब.से
राहुकाल		धनु	00.44 बजे से
4.30 से 6.00 बजे तक		मकर	02.49 बजे से
		कुंभ	04.35 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 74 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 09.17 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** श्रवण 05.56 बजे प्रात: को समाप्त। **योग** परिघ 10.26 बजे को समाप्त। **करण** बालव 09.17 बजे तदनन्तर कौलव 21.34 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 02° 13' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872649 **जूलियन दिन** 2461114.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रमजान **तारीख** 25 **विशेष** पापमोचनी एकादशी, विश्व उपभोक्ता संरक्षण दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09	बजे तक
चर	07.23 से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18	बजे तक	चर	08.41 से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46	बजे तक	रोग	10.14 से 11.46	बजे तक
काल	11.46 से 01.14	बजे तक	काल	11.46 से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51	बजे तक
रोग	02.41 से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ– शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

खाने के स्वाद के साथ ही सेहत को ठीक रखता है धनिया

धनिया पत्ती और उसके बीज हमें सेहमंद बनाये रखते हैं। खाने में भले ही मिर्च-मसाला न हो लेकिन अगर धनिया पत्ती से डाल दी जाये तो स्वाद बढ़ जाता है। क्या आप जानते हैं धनिया सिर्फ खाने की खूबसूरती और स्वाजद ही नहीं बढ़ाता बल्कित इसका पानी आपके स्वाास्थ्यि के लिए बेहद गुणकारी है। धन?िया के पानी में पोटैशि?यम, कैल्शिय म, विटामिन सी और मैग्नीबजियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है और ये सभी तत्वे बीमारियों को कोसों दूर रखते हैं। धनिये का पानी पीने के ढेरों फायदे हैं जिनमें से कुछ के बारे में हम आपको यहां पर जानकारी दे रहे हैं।

वजन कम करता है

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो धनिये के बीज का इस्तैमाल करने से फायदा होगा। इसके लिए आप तीन बड़े चम्मच धनिये के बीज एक गिलास पानी में उबालें। जब पानी आधे से कम हो जाए तो इसे छान लीजिए। इस पानी को रोजाना दो बार पीने से वजन घटने लगेगा।

कॉलेस्ट्रॉल से छुटकारा

धनिया में ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर से कॉलेस्ट्रॉल कम कर उसे कंट्रोल में रखते हैं। रिसर्च के अनुसार अगर किसी को हाई कॉलेस्ट्रॉल की शिकायत है तो उसे धनिया के बीज उबालकर उस पानी को पीना चाहिए।

भगाए पेट की बीमारियां

अगर आपको पेट से संबंधित कोई समस्या है तो दो कप पानी में धनिये के बीज, जीरा, चाय पत्ती और शक्कर डालकर अच्छे से मिला ले। इस पानी को पीने से एसिडिटी में आराम मिलता है! पेट में दर्द होने पर आधा गिलास पानी में दो चम्मच धनिया के बीज डालकर पीने से पेट दर्द से राहत मिलती है।

बढ़ाए डाइजेशन

हरा धनिया पेट की समस्याओं को दूर कर पाचनशक्ति बढ़ाता है। धनिए के ताजे पत्तों को छाछ में मिलाकर पीने से बदहजमी, मतली, पेचिश और कोलाइटिस में आराम मिलता है।

डायबिटीज से आराम

धनिए को मधुमेह नाशी यानी कि डायबिटीज को दूर भगाने वाला माना जाता है. इसका पानी पीने से खून में इंसुलिन की मात्रा नियंत्रित रहती है।

नकसीर की दवा

हरे ताजे धनिया की लगभग 20 ग्राम पत्तियों के साथ चुटकी भर कपूर मिला कर पीस लें और रस छान लें। इस रस की दो बूंदें नाक के छेदों में दोनों तरफ टपकाने से और रस को माथे पर लगा कर हल्का-हल्का मलने से नाक से निकलने वाला खून बंद हो जाता है।

आंखों के लिए फायदेमंद

धनिया के बीज आंखों के लिए भी फायदेमंद हैं। धनिया के थोड़े से बीज कूट कर पानी में उबालें। इस पानी को ठंडा करके मोटे कपड़े से छान लें और इसकी दो बूंदे आंखों में टपकाने से जलन, दर्द और पानी गिरना जैसी समस्याएं दूर होती हैं।

पीरियड्स की प्रॉब्लकम

धनिया महिलाओं में पीरियड्स संबंधी समस्याओं को दूर करता है। अगर पीरियड्स साधारण से ज्यादा हो तो आधा लीटर पानी में लगभग 6 ग्राम धनिए के बीज डालकर खौलाएं। इस पानी में चीनी डालकर पीने से फायदा होगा।

मुहांसों में फायदेमंद

धनिया त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। धनिए के जूस में हल्दी पाउडर मिलाकर चेहरे पर लगाएं और कुछ देर बाद धो लें। दिन में दो बार इस लेप का इस्तेमाल करने से बहुत जल्दी मुहांसों और दाग-धब्बों से छुटकारा मिलेगा और चेहरे की सुंदरता भी बढ़ेगी घमौरियां होने पर धनिया के पानी से नहाना चाहिए!

सफेद ब्रेड और पास्ता का सेवन अवसाद के बढ़ते खतरे से जुड़ा हुआ है

सफेद ब्रेड और पास्ता का सेवन अवसाद के बढ़ते खतरे से जुड़ा हुआ है। (जेम्स/फ्लिकर)

रजोनिवृत्ति के बाद की महिलाओं पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया है कि वे जितना अधिक चीनी और परिष्कृत कार्बोहाइड्रेट खाती हैं - जैसे कि सफेद ब्रेड और पास्ता - उनमें अवसाद विकसित होने की संभावना उतनी ही अधिक होती है ।

हालांकि यह अध्ययन स्पष्ट रूप से सीमित है क्योंकि यह आबादी के केवल एक उपसमूह पर केंद्रित है, इसमें 70,000 से अधिक महिलाएं शामिल थीं, और यह इस बात का और सबूत प्रदान करता है कि मानसिक स्वास्थ्य और उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाले आहार के बीच एक संबंध हो सकता है - जीआई इस बात का माप है कि शरीर में कार्बोहाइड्रेट कितनी जल्दी टूटते और अवशोषित होते हैं।

अमेरिका के कोलंबिया यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर के शोधकर्ताओं ने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के महिला स्वास्थ्य पहल अवलोकन अध्ययन द्वारा 1994 और 1998 के बीच एकत्र किए गए आंकड़ों का अध्ययन किया और फिर तीन साल बाद किए गए अनुवर्ती अध्ययन से उनकी तुलना की ताकि यह पता लगाया जा सके कि प्रतिभागियों के खान-पान और उनमें मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के विकसित होने के बीच कोई संबंध है या नहीं।

उम्र, आय और समग्र स्वास्थ्य जैसे कारकों को ध्यान में रखने के बाद, टीम ने पाया कि महिलाएं जितना अधिक अतिरिक्त शर्करा, परिष्कृत अनाज और अन्य उच्च जीआई वाले खाद्य पदार्थों का सेवन करती हैं, उनमें अवसाद विकसित होने की संभावना उतनी ही अधिक होती है।

दूसरी ओर, जो लोग भरपूर मात्रा में फाइबर, साबुत अनाज, सब्जियां और बिना जूस वाले फल खाते थे, उनमें अवसाद होने का खतरा काफी कम था। शोधकर्ताओं ने एक प्रेस विज्ञप्ति में लिखा , 'इससे पता चलता है कि आहार संबंधी उपाय अवसाद के उपचार और रोकथाम दोनों के रूप में काम कर सकते हैं।'

इस अध्ययन में एक संभावित प्रक्रिया पर भी प्रकाश डाला गया है जिसके माध्यम से उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाले खाद्य पदार्थ मानसिक बीमारी को ट्रिगर कर सकते हैं। किसी भी प्रकार का कार्बोहाइड्रेट खाने के बाद, हमारे रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है। लेकिन कितना और कितनी तेज़ी से, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमने किस प्रकार का कार्बोहाइड्रेट खाया है। सफेद ब्रेड, चावल और पास्ता जैसे अनाज जितने अधिक परिष्कृत होते हैं, उनका जीआई उतना ही अधिक होता है। इसका अर्थ है कि वे रक्त शर्करा के स्तर को तेज़ी से बढ़ाते हैं, जिससे एक त्वरित 'ऊर्जा' का अनुभव होता है, और फिर शरीर में हार्मोनल प्रतिक्रिया होती है ताकि इसे फिर से नीचे लाया जा सके - जिससे भारी भोजन के बाद अपरिहार्य 'फूड कोमा' की अनुभूति होती है।

लेकिन शुगर लेवल अचानक कम होने से कुछ लोगों को बहुत बुरा महसूस हो सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है, 'यह प्रतिक्रिया मूड में बदलाव, थकान और अवसाद के अन्य लक्षणों को पैदा कर सकती है या बढ़ा सकती है।'

अन्य शोधों से यह भी पता चला है कि रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट सहित जंक फूड, हमारे पेट के बैक्टीरिया के संतुलन को बिगाड़ सकता है, जो न केवल हमारे पाचन स्वास्थ्य में, बल्कि हमारे मानसिक स्वास्थ्य, चिंता के स्तर और खाने की आदतों में भी तेजी से महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं ।

उच्च ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाले आहार मानसिक बीमारी को कैसे बढ़ा सकते हैं, यह स्पष्ट रूप से दिखाने के लिए और यह पता लगाने के लिए कि क्या व्यापक आबादी में भी यही प्रवृत्ति मौजूद है, आगे के शोध की निश्चित रूप से आवश्यकता है। हालांकि अभी हमारे पास पूरी जानकारी नहीं है, यह अध्ययन उन बढ़ते प्रमाणों का हिस्सा है जो यह सुझाव देते हैं कि आपका खान-पान आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि आपके वजन के लिए।

और अच्छी खबर यह है कि शोधकर्ता ऐसे तरीके भी खोज रहे हैं जिनसे हम स्पैगेटी बोलोग्नीज़ का आनंद ले सकें और साथ ही उसका सेवन भी कर सकें। वे ऐसे खाना पकाने के तरीके खोज रहे हैं जिनसे पास्ता और चावल जैसे खाद्य पदार्थों का जीआई (ग्लाइसेमिक इंडेक्स) कम हो जाए और वे रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट के बजाय आहार फाइबर की तरह काम करें। याद रखें, हर चीज सीमित मात्रा में ही खानी चाहिए, बच्चों।

खुश रहने करें सूखे मेवे का नाश्ता

सुबह उठते ही कुछ लोग गुस्से में दिखते हैं या अवसाद ग्रस्त नजर आते हैं। ऐसे में हमें समझ नहीं आता कि क्या किया जाये। अगर आप के साथ भी ऐसा ही हो रहा है तो अपने खान-पान पर ध्यान दें। बात इतनी सी है कि खान पान का असर सेहत के साथ ही दिमाग पर भी पड़ता है। कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे होते हैं जो सेहत के साथ-साथ मूड को भी ठीक रखते हैं। आइए जानते हैं इसमें से कौन से एक चीज खाने से किस तरह आप पूरा दिन खुश रहेंगे।

सूखे मेवे

नाशते में एक मुट्ठी सूखे मेवों का सेवन जरूर करें। इसमें आप बादाम, काजू, पिस्ता, किश्मिश आदि किसी भी तरह का मेवा खा सकते हैं। इसमें मौजूद सेलेनियम नामक खनिज पदार्थ चिंता,थकावट, उदासी आदि कम करने में मददगार है। इससे आप अच्छा और तरोताजा महसूस करेंगे।

चॉकलेट

हर समय खुद को दुखी महसूस करते हैं तो चॉकलेट का सेवन करें। चॉकलेट में मौजूद अनांड़माइन तत्व मस्तिष्क में डोपामाइन के स्तर को बनाए रखने में मददगार है। इससे आप तनाव मुक्त महसूस करने लगेगे और मन भी शांत बना रहेगा।

पास्ता

साबुत अनाज से बना पास्ता हैल्दी फूड की लिस्ट में शामिल है। इसमें पाई जाने वाली मैग्निशियम की मात्रा तनाव के स्तर को कम करती है।

पालक

पालक में मैग्नीशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा इसमें आयरन, विटामिन ए और सी जैसे तत्व भी शामिल होते हैं। एनर्जी से भरपूर रहने के लिए पालक का सेवन जरूर करें।

ओट्स ब्रेड

नाश्ते में व्हाइट ब्रेड की जगह पर साबुत अनाज से बनी डबल रोटी मैग्नीशियम की कमी को पूरा करती है। सारा दिन तनाव मुक्त रहने के लिए नाश्ते में इस ब्रेड से बना टोस्ट या फिर सैंडविच खाना फायदेमंद है।

कॉफी पीने से दिल की बीमारियों का खतरा होता है कम

अगर आप कॉफी पीते हैं तो आपको दिल की बिमारियों का खतरा कम होता है। एक अध्ययन रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि दिन में चार कप कॉफी पीने से दिल की बीमारियों की वजह से होने वाली मौत का खतरा दो तिहाई कम किया जा सकता है। शोधकर्ताओं ने यह अध्ययन 20,000 लोगों पर किया है.

शोधकताओं ने अध्ययन के दौरान पाया कि कॉफी पीने से शरीर की प्रतिरोधकत क्षमता बढ़ती है। यह दिल की सेहत के लिए अच्छा है और कैंसर से बचाव करती है। शोधकर्ता ने कहा कि लोगों को खूब कॉफी पीनी चाहिए। इससे उनका दिल सेहतमंद रहेगा और कैंसर का खतरा भी कम होगा। यह अध्ययन 20,000 लोगों पर 10 साल तक किया गया1 इसके अलावा पिछले महीने 5,20,000 लोगों पर हुए एक अध्ययन में पाया गया कि कॉफी लीवर की सेहत सुधारने में भी कारगर है।

कॉफी में दरअसल, कई तरह के यौगिक पाए जाते हैं, जो शरीर के संपर्क में आते ही एक एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करने लगते हैं हालांकि शोधकर्ताओं ने बहुत ज्यादा कॉफी पीने से भी मना किया है। शोधकर्ताओं के अनुसार दिन में अधिकतम 4 कप कॉफी काफी है। इससे ज्यादा कॉफी पीने से नुकसान पहुंच सकता है।

यूरोपियन फूड सेफ्टी एजेंसी की सलाह मानें तो रोजाना किसी भी व्यक्तिध को 0.4 ग्राम से ज्यादा कैफीन का सेवन नहीं करना चाहिए। यानी कि आप अगर एस्प्रेस्सो कॉफी पीते हैं तो दिन में 5 कप और अगर इंस्टैंट कॉफी पीते हैं तो 4 कप से ज्यादा कॉफी ना पीयें।

मोतियाबिंद से रहें सावधान

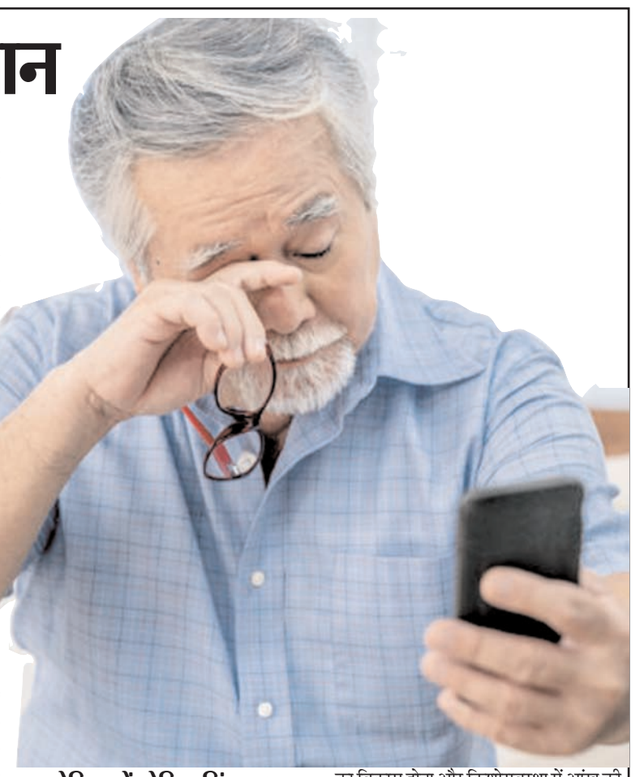

मोतियाबिंद की समस्या पहले सिर्फ बुजुर्गों में ही पायी जाती थी लेकिन आजकल ये युवाओं ओर बच्चों को भी अपना शिकार बना रही है। अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं तो उसका असर भी आपके आंखों की रोशनी पर होता है जिससे मोतियाबिंद की समस्या होती है। हमारी आंख की पुतली के पीछे एक लेंस होता है। पुतली पर पड़ने वाली लाइट को यह लेंस फोकस करता है और रेटिना पर ऑब्जेक्ट की साफ इमेज बनाता है। रेटिना से यह इमेज नर्व्स तक और वहां से दिमाग तक पहुंचती है। आंख की पुतली के पीछे मौजूद यह लेंस पूरी तरह से साफ होता है , ताकि इससे लाइट आसानी से पास हो सके।

कभी-कभी इस लेंस पर कुछ धुंधलापन आ जाता है , जिसकी वजह से इससे गुजरने वाला प्रकाश का रास्ता बंद हो जाता है। इसका नतीजा यह होता है कि पूरी लाइट पास होने पर जो ऑब्जेक्ट इंसान को बिल्कुल साफ दिखाई देता है,अब कम लाइट पास होने की वजह से वही ऑब्जेक्ट धुंधला नजर आने लगता है। लेंस पर होनेवाले इसी धुंधलेपन की स्थिति को मोतियाबिंद कहा जाता है। यह क्लाउडिंग धीरे - धीरे बढ़ती जाती है और मरीज की नजर पहले से ज्यादा धुंधली होती जाती है। मोतियाबिंद के कारण हो सकती हैं ये बीमारियां।

मधुमेह

मधुमेह शरीर के दूसरे अंगों जैसे गुर्दे और हृदय की ही अनेक बीमारियों का कारण ही नहीं है बल्कि आंखों पर भी कई प्रकार से इसका दुष्प्रभाव पड़ता है। मधुमेह के लगभग 80 प्रतिशत रोगियों को जीवन में आंखों की किसी न किसी समस्या का सामना अवश्य करना पड़ता है। आंखों की इन समस्याओं में प्रमुख हैं- डायबेटिक रेटिनोपैथी, मोतियाबिंद तथा काला मोतिया। मधुमेह के कारण होने वाली इन बीमारियों से बचने के लिए जरूरी है कि मधुमेह के रोगी समय-समय अपनी आंखों की जांच कराते रहें और कोई भी दिक्कत सामने आते ही उसका इलाज करवाना शुरू कर दें। कुछ मरीजों में लैंस में धुंधलापन आ जाता है, उसकी पारदर्शिता खत्म हो जाती है इसे डायबिटिक कैटरैक्ट कहते हैं।

यूवाइटिस

यूवाइटिस एक प्रकार की सूजन है जो यूवेइआ में होते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं जिनमें ट्रामा या संक्रमण भी एक हैं। इस बीमारी के कोई भी ज्ञात कारण नहीं है। मोतियाबिंद की समस्या उन लोगों में ज्यादा होती है जो जो यूवाइटिस से ग्रस्त होते हैं। यूवाइटिस अमेरिका, यूरोप और अन्य विकसित देशों में तेजी से फैल रही है। भारत में भी इस बीमारी के मरीजों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। दुनिया में यूवाइटिस को कैंसर से भी खतरनाक माना जा रहा है।

मायोपिया में मोतियाबिंद का खतरा ज्यादा

जो लोग उच्च निकट दृष्टि दोष (मायोपिया) से प्रभावित होते हैं उनमें मोतियाबिंद का खतरा कहीं अधिक होता है। डॉक्टर के मुताबिक बचपन में देखन की क्षमता का विकास होता और किशोरावस्था में आंख की लंबाई बढ़ती है लेकिन निकट दृष्टि दोष होने की वजह से यह कुछ ज्यादा ही बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में आंख में जानेवाला प्रकाश रेटिना पर केंद्रित नहीं होता। इसी वजह से तस्वीर धुंधली दिखाई देती है लेकिन इस दोष को कॉंटैक्ट लेंस या सर्जरी से ठीक कराया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

विदेशी खिलाड़ियों से मजबूत दिख रही आरसीबी : कुंबले

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इससे पहले क्रिकेट विशेषज्ञ अलग-अलग टीमों का विश्लेषण करने में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर बैंगलुरु की टीम का आकलन किया है। उन्होंने कहा कि आरसीबी की ताकत उसके विदेशी खिलाड़ी हैं, जो टीम को काफी मजबूत बनाते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि प्लेइंग इलेवन तय करना टीम मैनेजमेंट और कप्तान के लिए आसान नहीं होगा। रजत पाटीदार की अगुवाई वाली आरसीबी 28 मार्च को सनराईज हैदराबाद के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। कुंबले के मुताबिक आरसीबी के लिए यह बेहद जरूरी होगा कि वह अपने विदेशी खिलाड़ियों का सही संयोजन बनाए।

बुमराह की यॉर्कर का दुनिया में नहीं कोई मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की घातक गेंदबाजी ने एक बार फिर विश्व क्रिकेट में उनकी खास पहचान को मजबूत कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने बुमराह की जमकर तारीफ करते हुए उन्हें मौजूदा समय का सबसे खतरनाक तेज गेंदबाज बताया है। क्लार्क का मानना है कि 145 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार, नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता और बेहद सटीक यॉर्कर बुमराह को बाकी तेज गेंदबाजों से अलग बनाते हैं। उन्होंने कहा कि बुमराह जैसी यॉर्कर पूरी दुनिया में शायद ही कोई गेंदबाज डाल पाता हो। हाल ही में भारत की आईसीसी टी20 विश्वकप 2026 जीत के बाद क्लार्क ने बुमराह के प्रदर्शन को खास तौर पर सराहा।

टीम इंडिया के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने वैष्णो देवी में टेका माथा

जम्मू। भारतीय टी20 टीम के उभरते बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शुक्रवार को वैष्णो देवी पहुंचकर माता रानी के दरबार में हाजिरी लगाई। जम्मू-कश्मीर के त्रिकुटा पर्वत पर स्थित इस पवित्र धाम में उनकी यात्रा का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि अभिषेक अर्धकुमारी के पास से चलने वाली बैटरी गाड़ी से भवन तक पहुंचे। इस दौरान उनकी सुरक्षा के लिए कड़े इंतजाम किए गए थे और वे जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों के साथ मंदिर की ओर जाते दिखाई दिए। अभिषेक शर्मा ने अपनी यात्रा को निजी रखने की पूरी कोशिश की। वह सफेद रंग के पारंपरिक कुर्ता-पायजामा में नजर आए और पहचान छिपाने के लिए चेहरे पर सफेद मास्क तथा आंखों पर चश्मा लगाया।

दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल की उपस्थिति ने बढ़ाया उत्साह

87वीं नेशनल टेबल टेनिस स्पर्धा प्रारंभ, जस्टिस कालेगांवकर ने किया भव्य उद्घाटन

इंदौर ■ निसं

मध्य प्रदेश टेबल टेनिस संगठन की मेजबानी में शनिवार से यूटीटी 87वीं सीनियर राष्ट्रीय एवं अंतर-राज्य टेबल टेनिस स्पर्धा का औपचारिक शुभारंभ हुआ। स्थानीय खेल परिसर में आयोजित इस प्रतिष्ठित नेशनल चैंपियनशिप का उद्घाटन मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश संजीव कालेगांवकर द्वारा किया गया।

उद्घाटन सत्र के दौरान जस्टिस कालेगांवकर ने मैदान पर जाकर प्रमुख खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह की अध्यक्षता म.प्र. ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष ओम सोनी ने की। इस अवसर पर भारतीय टेबल टेनिस के गौरव, पद्मश्री एवं अर्जुन अवार्डी अचंत शरत कमल विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ ही म.प्र. ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह, जयेश आचार्य, एन. गणेशन, अंतरराष्ट्रीय कोच मेसिमो कोस्टेंटिनी, प्रमोद सोनी और रिंकू आचार्य सहित खेल जगत की कई विशिष्ट हस्तियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। इस प्रतिष्ठित नेशनल चैंपियनशिप में देशभर के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की टीमें हिस्सा ले रही हैं। 10 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन का कुशल संचालन गौरव पटेल द्वारा किया गया, जबकि समापन पर अमित कोटिया ने आभार व्यक्त किया। स्पर्धा के पहले दिन से ही इंदौर के खेल प्रेमियों में जबरदस्त रोमांच और उत्साह देखा जा रहा है।

दिग्गजों के दमदार प्रदर्शन से इंदौर में 87वीं राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आगाज

इंदौर। मध्य प्रदेश की खेल राजधानी इंदौर के अभय प्रशाल स्टेडियम में शनिवार को 87वीं यूटीटी सीनियर नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप का भव्य शुभारंभ हुआ। चैंपियनशिप के पहले दिन पुरुष और महिला दोनों वर्गों के टीम स्पर्धाओं में देश की शीर्ष टीमों ने अपनी रैंकिंग के अनुरूप प्रदर्शन किया। जहाँ पीएसपीबी और आरएसपीबी जैसी अनुभवी टीमों ने अपने प्रतिद्वंद्वियों को आसानी से पस्त किया, वहीं दिल्ली और महाराष्ट्र के बीच हुए मैराथन मुकाबले ने दर्शकों को खेल के चरम रोमांच का अनुभव कराया। आधिकारिक परिणामों के अनुसार, शुरुआती दो राउंड के बाद अधिकांश वरीयता प्राप्त टीमों ने नॉकआउट की रेस में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। दिन का सबसे बहुचर्चित मुकाबला पुरुष वर्ग के ग्रुप-ई में देखने को मिला, जहाँ दिल्ली ने महाराष्ट्र को 3-2 के कड़े अंतर से पराजित किया। दोनों ही टीमें अपना पहला मुकाबला जीतकर आमने-सामने थीं।

चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा ने, कैलिफ़ोर्निया के इंडियन वेल्स में बीएनपी पारिबा ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफ़ाइनल मैच के दौरान, बेलारूस की एरिना सबालेंका के खिलाफ एक शॉट रिटर्न किया।

केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ी, कहा

समय नहीं दे पाऊंगा, आईपीएल 2026 में कमेंट्री करेंगे पूर्व इंग्लिश कप्तान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

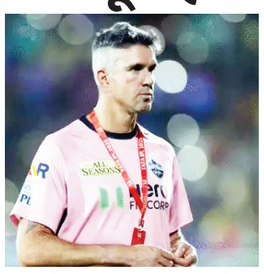

आईपीएल 2026 से पहले केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स की मेंटरशिप छोड़ दी है। पूर्व इंग्लिश कप्तान पीटरसन ने शनिवार को सोशल प्लेटफॉर्म ङ्क पर लिखा- 'इस जिम्मेदारी के लिए जितना समय चाहिए, वह नहीं दे पाएंगे।' हालांकि, 45 साल के इस पूर्व बैटर ने दिल्ली की टीम और खिलाड़ियों को नए सीजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने यह भी कहा कि वह आईपीएल के दौरान कॉमेंट्री बॉक्स में जरूर नजर आएंगे और भारतीय लीग का हिस्सा बने रहेंगे।

आईपीएल 2025 से पहले मेंटर बने थे पीटरसन पीटरसन को आईपीएल 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का मेंटर बनाया गया था। पिछले सीजन में दिल्ली की टीम लीग स्टेज से बाहर हो गई थी। टीम ने 14 में से 7 मैच जीतकर 5वां स्थान हासिल किया था। लेकिन, प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी थी।

पीटरसन बतौर प्लेयर भी दिल्ली की फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। तब टीम का नाम दिल्ली डेयरडेविल्स था। उन्होंने दिल्ली की ओर से 19 मैचों में 599 रन बनाए हैं। उनकी टीम 2012 के प्लेऑफ में पहुंची थी, लेकिन टाइटल नहीं जीत सकी। 2014 में दिल्ली लीग स्टेज से बाहर हो गई।

5 सीजन खेले, 3 टीमों का हिस्सा रहे पीटरसन में पांच सीजन खेल चुके हैं और तीन अलग-अलग टीमों का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह कुल 17 मैचों में कप्तानी भी कर चुके हैं। 2009 में उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तानी की थी, जबकि 2014 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कमान संभाली थी।

28 मार्च से होगी आईपीएल -2026 की शुरुआत आईपीएल-2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी। पहले मैच में डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद आमने-सामने होंगी। दिल्ली कैपिटल्स अपना पहला मैच 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ लखनऊ के एकाना स्टेडियम में खेलेगी, जबकि टीम का पहला होम मैच 4 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ होगा।

महापौर ट्राफी मे जिमखाना एवं श्री दादाजी क्रिकेट क्लब ने जीत दर्ज की

खण्डवा ■ निसं

खंडवा में पहली बार रात्रि कालीन दूधिया लाइट में जिम खाना क्रिकेट मैदान पर महापौर ट्राफी क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य आयोजन नगर निगम में एमआईसी सदस्य विक्की बावरे एवं जवाहर गंज समिति के संयोजन में चल रहा है। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि बड़े शहरों के तर्ज पर जिला मुख्यालय खंडवा में सूरजकुंड स्थित जिम खाना क्रिकेट मैदान स्थापित है। इस मैदान पर कई क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजित हो चुकी है साथ ही यह मैदान क्रिकेट खिलाड़ियों का प्रशिक्षण केंद्र भी हे। जिम खाना क्रिकेट मैदान की देखरेख अध्यक्ष के रूप में जहां रोमी नारंग भैया देख रहे हैं वही डीएस तोमर और सदानंद यादव प्रशिक्षक के रूप में क्रिकेट खिलाड़ियों को इस मैदान पर तैयार कर रहे हैं।

सुनील जैन ने बताया कि रात्रि कालीन महापौर ट्राफी क्रिकेट प्रतियोगिता में शुक्रवार रात्रि में दो मैच खेले गए पहला मैच जिमखाना क्रिकेट क्लब और बालाजी क्रिकेट क्लब के बीच हुआ जिसमें 60 रनों से जिम गाना क्रिकेट टीम ने जीत दर्ज की। दूसरा रात्रि कालीन मैच श्री दादाजी क्रिकेट क्लब एवं बोरगांव क्रिकेट क्लब के बीच हुआ जिसमें श्री दादाजी क्रिकेट टीम द्वारा 6 विकेट से जीत दर्ज की गई।

प्रतियोगिता में अतिथि के रूप में लाइट और संगठन के पदाधिकारी चंद्रशेखर पटेल, रितेश कपूर, राजेश राय, पवन यादव के साथ ही विक्की बावरे, दिलीप यादव, संतोष यादव, अनिकेत चांवरे, प्रकाश यादव,शुभम चौरे, अविनाश यादव, अभिजीत उपस्थित थे।

व्यापार समाचार

पीयूष गोयल बोले

तेजी से आगे बढ़ रहा भारत-ब्रिटेन एफटीए, वार्ता पर विराम का दावा निराधार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में भारत-ईएफटीए व्यापार समझौते के महत्व पर भी जोर दिया और इसे यूरोप के साथ भारत के आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते ने यूरोपीय क्षेत्र के साथ गहरे आर्थिक संबंधों की शुरुआत की और आगे अन्य व्यापार समझौतों का रास्ता भी खोला।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच होने वाला मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) जल्द लागू हो सकता है। उन्होंने बताया कि ब्रिटेन में इस समझौते को मंजूरी देने की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। राष्ट्रीय राजधानी में एसोचैम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए बोलते हुए केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौता तेजी से आगे बढ़ रहा है और यह ब्रिटेन की संसद द्वारा सबसे तेजी से मंजूर किए जाने वाले व्यापार समझौतों में से एक बन सकता है।

जल्द ही लागू हो सकता है समझौता- पीयूष गोयल: उन्होंने बताया कि यह समझौता 24 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन यात्रा के दौरान चेकर्स में हस्ताक्षरित किया गया था। केंद्रीय मंत्री ने उम्मीद जताई कि यह समझौता जल्द ही लागू हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस समझौते की तेजी से प्रगति दोनों देशों के बीच मजबूत सहयोग और लंदन में भारतीय राजनयिक टीम के प्रयासों को दर्शाती है। मंत्री ने अपने संबोधन में भारत-ईएफटीए व्यापार समझौते के महत्व पर भी जोर दिया और इसे यूरोप के साथ भारत के आर्थिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया।

'समझौते ने अन्य व्यापार समझौतों का रास्ता भी खोला': उन्होंने कहा कि इस समझौते ने यूरोपीय क्षेत्र के साथ गहरे आर्थिक संबंधों की शुरुआत की और आगे अन्य व्यापार समझौतों का रास्ता भी खोला। पीयूष गोयल ने बताया कि ईएफटीए समझौते के बाद भारत ने ब्रिटेन के साथ भी व्यापार समझौता किया और बाद में 27 देशों वाले यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ भी समझौते पर सहमति बनी। उन्होंने कहा कि यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने भारत-ईयू समझौते को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' बताया था।

निराधार है वार्ता पर विराम का दावा- पीयूष गोयल: वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी इन रिपोर्ट को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इनका कोई आधार नहीं है। उन्होंने कहा, अमेरिका के साथ हमारा एक बहुत अच्छा व्यापार समझौता है। हम अपने सभी संवेदनशील क्षेत्रों की रक्षा करने में सक्षम रहे हैं। यह समझौता बेहद प्रभावशाली है और भारत और अमेरिका दोनों के लिए फायदेमंद है क्योंकि इससे भारत को अमेरिका से बेहतरीन तकनीकें मिलेंगी, जिससे भारत विश्व का डाटा केंद्र बन सकता है। मंत्री ने आगे कहा कि आईफोन निर्माता कंपनी एपल ने उन्हें बताया कि भारत में उनका उत्पादन दुनिया भर में मौजूद किसी भी अन्य विनिर्माण इकाई की तुलना में सर्वश्रेष्ठ है। गोयल ने कहा कि उनके संयंत्र का लगभग 80 फीसदी हिस्सा भारत में युवा महिलाएं संचालित करती हैं।

फिलीपींस के दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन से 1,015 भारतीय छात्रों ने चिकित्सा स्नातक की डिग्री हासिल की

दावाओ सिटी, फिलीपींस ■ एजेंसी

दावाओ सिटी में आयोजित 'दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन इंक' के 25वें अंतरराष्ट्रीय दीक्षांत समारोह में भारतीय मूल के 1,015 छात्रों को डॉक्टर ऑफ मेडिसिन की डिग्री प्रदान की गई, जो बीते कुछ सालों में किसी एक विदेशी चिकित्सा संस्थान से स्नातक होने वाले भारतीय मेडिकल छात्रों का सबसे बड़ा समूह है।

डॉक्टर ऑफ़ मेडिसिन की डिग्री भारत में की डिग्री के बराबर मानी जाती है, जो हाल के समय में विदेश के किसी एक मेडिकल कॉलेज से ग्रेजुएट होने वाले भारतीय छात्रों के सबसे बड़े समूहों में से एक है। पिछले कुछ सालों में, दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन उन भारतीय छात्रों की पहली पसंद बना हुआ है, जो विदेश जाकर चिकित्सा के क्षेत्र में पढ़ाई करना चाहते हैं। इस संस्थान से अब तक लगभग 12,000 भारतीय छात्रों ने ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की है, जिनमें बहुत से डॉक्टर आज भारत और दुनिया के अलग-अलग कोनों में अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

इस साल स्नातक की डिग्री पाने वाले छात्र भारत के अलग-अलग हिस्सों और समुदायों से ताल्लुक रखते हैं। इससे जाहिर है कि देश भर से डॉक्टर बनने की चाह रखने वाले छात्र ष्ठरूस्स्न में अपनी चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते हैं क्योंकि यह संस्थान ऐसे छात्रों की पहली पसंद बनता जा रहा है। इस मौके पर ट्रांसवर्ल्ड एजुकेयर के सीईओ एवं संस्थापक अध्यक्ष, डॉ. डेविड पिल्लई ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा: 'यह दीक्षांत समारोह छात्रों और उनके परिवारों के साथ-साथ उन सभी लोगों और संस्थाओं के लिए भी गौरव का लम्हा है, जो विदेश में चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों की मदद करते हैं। फिलीपींस अपनी बेहतरीन गुणवत्ता वाली शिक्षा, अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त चिकित्सा प्रशिक्षण के कारण लंबे समय से चिकित्सा के क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले भारतीय छात्रों के लिए एक भरोसेमंद गंतव्य रहा है।

इस साल दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन से 1,000 से ज़्यादा भारतीय छात्रों ने ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की, जिससे जाहिर है कि भारतीय छात्र अब विश्व स्तर की मेडिकल पढ़ाई के लिए के लिए बहुत उत्सुक हैं। साथ ही, इससे भारत और पूरी दुनिया की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का उनका संकल्प भी जाहिर होता है।'

फॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन में अपने स्नातक छात्रों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत शिक्षा जगत में अपनी पहचान बनाई है। यह विदेशों से चिकित्सा के क्षेत्र में स्नातक करने वाले उन छात्रों के लिए आवश्यक योग्यता परीक्षा है, जो भारत में डॉक्टर के तौर पर अपनी सेवा देना चाहते हैं। पिछले दस सालों में, स्नरूस्रश्व परीक्षा में शीर्ष रैंक पाने वालों में दावाओ मेडिकल स्कूल फाउंडेशन के छात्र लगातार अपनी जगह बना रहे हैं।

नकदी की तंगी ने बदल दिया निवेश का खेल, सोना भी नहीं बचा

नई दिल्ली। दुनियाभर में बढ़ते आर्थिक और राजनीतिक संकट के बावजूद सोने की कीमतें लगातार गिर रही हैं। आमतौर पर संकट के समय निवेशक सुरक्षित निवेश के लिए सोने की ओर भागते हैं, लेकिन इस बार कहानी उलटी है। शेयर बाजार में भारी गिरावट और निवेशकों के नुकसान ने उनके पास नकदी की कमी पैदा कर दी है। इस स्थिति में निवेशक अपने पास जमा सोना बेच रहे हैं, जिससे कीमतें नीचे आ रही हैं। मार्च की शुरुआत में सोना एमसीएक्स पर लगभग 1.70 लाख प्रति 10 ग्राम था। केवल 12 दिनों में यह गिरकर 1.57 लाख रुपए तक आ गया। चांदी की स्थिति और भी बुरी है। जो चांदी 2 मार्च को 2.97 लाख प्रति किलो थी, वह अब 2.54 लाख के करीब बिक रही है। निवेशकों के लिए यह 12 दिनों में प्रति किलो 43 हजार रुपए से ज्यादा का नुकसान है।

ट्राई का प्रस्ताव, स्पैम कॉल करने वालों के फोन कनेक्शन होंगे कट

नई दिल्ली। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने एक मसौदा प्रस्ताव जारी किया है, जिसके तहत परेशान करने या धोखाधड़ी करने वाले कॉल और संदेश करने वाली संस्थाओं के फोन कनेक्शन काटे जा सकेंगे। ट्राई के अनुसार यदि दूरसंचार सेवा प्रदाता की कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित स्पैम चेतावनी सेवा किसी नंबर को संदिग्ध पाती है, तो ग्राहक की शिकायत के बिना भी उस नंबर पर कार्रवाई की जाएगी। यह प्रस्ताव दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता (तीसरा संशोधन) विनियम, 2026 में शामिल है। उल्लंघनकर्ता से जुड़े सभी फोन कनेक्शन ब्लॉक किए जा सकते हैं, भले ही उनका उपयोग केवल स्पैम कॉल या संदेश के लिए न किया गया हो।

राधाकिशन दमानी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर के 16 लाख शेयर बेचे

नई दिल्ली। देश के मशहूर निवेशक राधाकिशन दमानी ने टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड के 16 लाख शेयर ब्लॉक डील के जरिए बेचे। इस बिक्री से दमानी को कुल 52 करोड़ रुपये की राशि प्राप्त हुई। प्रत्येक शेयर की कीमत 325 रुपये रही। निवेशकों और बाजार विशेषज्ञों के अनुसार यह बिक्री ऐसे समय में हुई है जब कंपनी के शेयर लगातार संघर्ष कर रहे हैं। शुक्रवार को बीएसई में टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर 3.13 प्रतिशत गिरकर 314.30 रुपये पर बंद हुए। दिन के दौरान शेयर का न्यूनतम भाव 308.65 रुपये तक पहुंचा।

एजेस फ़ेडरल लाइफ़ इंश्योरेंस ने लंबे समय तक निवेश करने वाले निवेशकों के लिए 'लार्ज कैप क्वालिटी फंड' की शुरुआत की

मुंबई ■ एजेंसी

- ■ लंबे समय में जमा-पूँजी को बड़ा बनाने के लिए बड़ी और भरोसेमंद कंपनियों में निवेश करने का शानदार मौका।
- ■ यह फंड 'BSE लार्ज कैप 100 क्वालिटी 30 इंडेक्स' को ट्रैक करता है।
- ■ न्यू फंड ऑफर (NFO) की कीमत 10 रुपये प्रति यूनिट (NAV) है।

भारत में निजी क्षेत्र की जानी-मानी लाइफ़ इंश्योरेंस कंपनियों में से एक, लाइफ़ इंश्योरेंस ने लार्ज कैप क्वालिटी फंड की शुरुआत की है। यह एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है, जिसे उन लोगों को ध्यान में रखकर पेश किया गया है जो देश की बड़ी और भरोसेमंद कंपनियों में पैसा लगाकर अच्छी पूंजी जमा करना चाहते हैं। यह फंड 10 रुपये प्रति यूनिट के न्यू फंड ऑफर की पर उपलब्ध होगा, जिससे ग्राहकों को लॉन्च अवधि के दौरान आधार 'नेट एसेट वैल्यू' पर निवेश शुरू करने का अवसर मिलेगा। इस फंड का उद्देश्य ग्राहकों को उन बड़ी और आर्थिक रूप से मजबूत कंपनियों के समूह में निवेश करने का अवसर प्रदान करना है, जिन्होंने समय के साथ लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यह फंड उन कंपनियों में पैसा लगाता है जिनकी नींव मजबूत है और जिनमें आर्थिक काम-काज बहुत व्यवस्थित है। इससे ग्राहकों को अपने भविष्य के लक्ष्यों को पूरा करने के साथ-साथ अच्छी पूंजी बनाने का मौका मिलने वालाहै।

ग्राहक इस फंड के ज़रिए अलग-अलग क्षेत्रों की बड़ी कंपनियों के अलग-अलग तरह के समूह में आसानी से निवेश कर सकते हैं। इससे किसी एक कंपनी या इंडस्ट्री पर निर्भर रहने का जोखिम कम हो जाता है और निवेशकों को लंबे समय में भारत की आर्थिक तरक्की का फायदा मिलता है। यह फंड निवेश के लिए बहुत सरल तरीका अपनाता है, जिसमें यह क्चस्श्व लार्ज कैप 100 क्वालिटी 30 इंडेक्स को ट्रैक करता है। इसमें केवल वे कंपनियां चुनी जाती हैं जो इक्विटी पर शानदार रिटर्न, साफ-सुथरे बैलेंस शीट और मजबूत आर्थिक स्थिति के मामले में हर कसौटी पर खरी उतरती हैं। यह फंड केवल उन कंपनियों को चुनता है जो स्थिर और भरोसेमंद हैं।

टूसोल ने लॉन्च किया टूहर्ब्स की रेंज

गुरुग्राम ■ एजेंसी

टूसोल, बैद्यनाथ आयुर्वेद परिवार का एक आधुनिक मॉडर्न वेलनेस और पर्सनल केयर ब्रांड, ने आज 'टूहर्ब्स' रेंज के लॉन्च की घोषणा की। यह टूसोल वेलनेस प्लेटफॉर्म के तहत पारंपरिक आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों की एक बेहद सोच-समझकर तैयार की गई और परिष्कृत पेशकश है। आज के स्वास्थ्य के प्रति जागरुक उपभोक्ताओं के लिए डिज़ाइन की गई इस रेंज में चार एकल-जड़ी-बूटी फॉर्मूलेशन शामिल हैं- अश्वगंधा, गोक्षुर, ब्राह्मी और हड़जोड़। इन्हें साफ-सुथरे और आधुनिक स्वरूप में पेश किया गया है, जो क्लासिक आयुर्वेदिक ज्ञान और आधुनिक जीवनशैली की जरूरतों के बीच संतुलन बनाते हैं।

टूहर्ब्स रेंज को सावधानीपूर्वक चुनी गई जड़ी-बूटियों से विकसित किया गया है, जिन्हें उनके प्राकृतिक गुणों को संरक्षित रखने के लिए नियंत्रित परिस्थितियों में प्रोसेस किया जाता है। फॉर्मूलेशन की आवश्यकताओं के अनुसार, इन उत्पादों में सांद्रित और मानकीकृत अर्क शामिल हैं ताकि पौधे की प्राकृतिक विशेषताओं को बनाए रखते हुए उनके सक्रिय तत्वों में एकरूपता सुनिश्चित की जा सके। प्रत्येक बैच की शुद्धता, सुरक्षा और अवयवों की अखंडता के लिए कड़ी गुणवत्ता जांच की जाती है, और इनका निर्माण ऐसी सुविधाओं में किया जाता है जो गुड मैन्युफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस (जीएमपी) का पालन करती हैं और एफएसएसएआई आवश्यकताओं सहित सभी लागू नियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप हैं।

टूहर्ब्स रेंज की प्रत्येक जड़ी-बूटियों को आयुर्वेदिक साहित्य में उनके विशिष्ट स्वास्थ्य लाभों के लिए पारंपरिक रूप से महत्व दिया गया है, जैसे तनाव संतुलन, सहनशक्ति और समग्र जीवन शक्ति के लिए अश्वगंधा, शक्ति, एंड्योरेंस और सक्रिय जीवनशैली के सहयोग के लिए गोक्षुर, संज्ञानात्मक स्वास्थ्य, एकाग्रता और मानसिक स्पष्टता के लिए ब्राह्मी, और हड्डियों तथा जोड़ों की मजबूती के लिए हड़जोड़। मुख्य रूप से निवारक और लाइफस्टाइल संबंधित वेलनेस के लिए तैयार की गई टूहर्ब्स रेंज को किसी विशेष बीमारी के उपचार के बजाय संतुलित जीवनशैली के पूरक के रूप में डिज़ाइन किया गया है। यह विशेष रूप से व्यस्त दिनचर्या वाले कामकाजी पेशेवरों, प्लांट-बेस्ड ताकत की तलाश करने वाले फिटनेस उत्साही लोगों, एकाग्रता और स्पष्टता को प्राथमिकता देने वाले छात्रों एवं बौद्धिक श्रम करने वालों और निवारक वेलनेस रूटीन में पारंपरिक जड़ी-बूटियों को शामिल करने के इच्छुक वयस्कों के लिए उपयुक्त है।

संक्षिप्त समाचार

लाइकेन मॉथ की दो नई प्रजातियों की खोज, भूपेन्द्र यादव ने शोधकर्ताओं को दी बधाई

नई दिल्ली। भारत में लाइकेन मॉथ की दो नई प्रजातियों की खोज की गई है। इस महत्वपूर्ण वैज्ञानिक उपलब्धि पर केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं को बधाई दी है। यह खोज जूलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के वैज्ञानिकों ने की है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने पूर्वी हिमालयी क्षेत्र में लाइकेन मॉथ की दो नई प्रजातियों की पहचान की। इन नई प्रजातियों का नाम कौलोसेरा होलोवेई और असुरा बक्सा रखा गया है। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने एक्स पर साझा अपने संदेश में कहा कि लेपिडोप्टेरा (कीटों का एक गण है जिसमें तितलियां और पतंगे शामिल होते है) जैसे विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण लेकिन अपेक्षाकृत कम अध्ययन किए गए समूहों पर शोध, पारिस्थितिकी तंत्र के कार्यकरण को समझने के लिए आवश्यक है। इसके साथ यह भारतीय हिमालय में वायु प्रदूषण के संकेतक प्रजातियों की पहचान के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। यह उपलब्धि हिमालय जैसे जैवविविधता हॉटस्पॉट में निरंतर वर्गिकी अनुसंधान की आवश्यकता को भी रेखांकित करती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इन प्रजातियों की पहचान उनके पंखों के रंग-रूप, शरीर की बनावट और अन्य सूक्ष्म जैविक विशेषताओं के आधार पर की गई। यह शोध अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पत्रिका जूटेक्सा में प्रकाशित हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि लाइकेन मॉथ पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण माने जाते हैं क्योंकि इनके लार्वा लाइकेन पर निर्भर रहते हैं।

मणिपुर के नाने जिले में बम ब्लास्ट, 4 साल के बच्चे की मौत

इंफाल। मणिपुर के नाने जिले में हुए बम धमाके में कलिंगमपो पामेई नाम के चार साल के बच्चे की मौत हो गई। इसी घटना में उसके पिता थुआनकुंगम पामेई गंभीर रूप से घायल हो गए। राज्य पुलिस मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, यह घटना शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे नाने जिले के खौपुम पुलिस स्टेशन के तहत ताओलिंगपुंग गांव के नामकाओलोंग पार्ट-2 इलाके में हुई। सूत्रों के मुताबिक, बच्चा अपने पिता के पास बम जैसी एक गेंद लाया। जब पिता ने उसे फेंकने की कोशिश की, तो वह फिसलकर गिर गए। उसी समय बम फट गया। जब बम फटा, तब कलिंगमपो पास में ही थे। घायल बच्चे और उसके पिता थुआनकुंगम पामे को जिला अस्पताल ले जाया गया। लेकिन अस्पताल के डॉक्टर ने बच्चे कलिंगमपो को मृत घोषित कर दिया और गंभीर रूप से घायल पिता थुआनकुंगम को बेहतर इलाज के लिए इंफाल के राज मेडिसिटी अस्पताल में रेफर कर दिया। पता चला है कि थुआनकुंगम के दोनों पैरों में चोटें आई हैं। अभी यह साफ नहीं है कि यह विस्फोटक कहां से आया। राज्य पुलिस हेडक्वार्टर के एक ऑफिशियल सोर्स ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

जोधपुर सेंट्रल जेल से बाहर आए सोनम वांगचुक, 170 दिन बाद खत्म हुई एनएसए की हिरासत

जोधपुर। लद्दाख के प्रसिद्ध पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार दोपहर जोधपुर सेंट्रल जेल से रिहा कर दिया गया। करीब 170 दिन तक जेल में रहने के बाद केंद्र सरकार ने उनके खिलाफ लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को तत्काल प्रभाव से हटा दिया। सोनम वांगचुक को 24 सितंबर 2025 को लद्दाख प्रशासन ने हिरासत में लिया था, जिसके बाद 26 सितंबर को उन्हें जोधपुर जेल में शिफ्ट किया गया। उन पर लद्दाख में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुई हिंसा भड़काने का आरोप था, जिसमें चार लोगों की मौत हुई और 150 से अधिक लोग घायल हुए थे। केंद्र सरकार का यह फैसला उस समय आया है जब उच्चतम न्यायालय में वांगचुक की पत्नी गीतांजलि द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई 17 मार्च को होने वाली थी। गृह मंत्रालय के बयान के अनुसार, लद्दाख में शांति, स्थिरता और आपसी विश्वास का माहौल बनाने के लिए उनकी हिरासत खत्म करने का निर्णय लिया गया।

यूएई में भ्रामक वीडियो फैलाने के आरोप में दो भारतीय व एक नेपाली सहित 10 गिरफ्तार

काठमांडू। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में मिसाइल हमले और एयर डिफेंस सिस्टम से जुड़े वीडियो रिकॉर्ड करने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से बनाए गए भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के आरोप में दो भारतीय और एक नेपाली नागरिक सहित 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नेपाल के विदेश विभाग के मुताबिक यूएई के महाधिवक्ता डॉ. हमाद सेफ अल शम्सी के आदेश पर इन सभी को गिरफ्तार कर तत्काल कानूनी कार्रवाई के लिए अर्जेंट ट्रायल में भेजा गया है। गिरफ्तार किए गए 10 लोगों में दो भारतीय, एक नेपाली नागरिक के अलावा मिस्र, फिलीपींस, वियतनाम, पाकिस्तान, ईरान, बांग्लादेश और मध्य अफ्रीकी देश कैमरून के एक-एक नागरिक शामिल हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे असम, प्रदेश भाजपा ने किया भव्य स्वागत

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शनिवार को दो दिवसीय दौरे पर असम पहुंचे। भाजपा की ओर से प्रदेश भाजपा मीडिया पैनलिस्ट मून तालुकदार ने केंद्रीय गृह मंत्री का कामाख्या मंदिर की पवित्र भूमि और श्रीमंत शंकरदेव की पूजनीय आध्यात्मिक विरासत वाली धरती पर गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रदेश भाजपा ने कहा है कि पिछले कुछ वर्षों में, केंद्रीय गृह मंत्री शाह के सक्रिय मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा के गतिशील नेतृत्व में असम में स्थायी शांति और स्थिरता की बहाली देखने को मिली है।

भारत के पास वर्तमान में पर्याप्त उर्वरक भंडार : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केन्द्र सरकार ने कहा है कि भारत के पास वर्तमान में पर्याप्त उर्वरक भंडार है। शनिवार को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस समय भारत के पास उर्वरकों का पर्याप्त भंडार है, विशेष रूप से खरीफ 2026 के लिए। यूरिया का हमारा भंडार पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष अधिक है। डाई-अमोनियम फास्फेट (डीएपी) का भंडार पिछले वर्ष की तुलना में दोगुना है। नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटेशियम (एनपीके) का भंडार भी पिछले वर्ष की तुलना में आज काफी अधिक है।

यूरिया के हमारे घरेलू उत्पादन की बात करें तो, हमारा वर्तमान उत्पादन हमारी निर्धारित खपत से अधिक होगा, विशेष रूप से रबी का मौसम समाप्त होने वाला है। इसके अलावा, हमने अपने कुछ संयंत्रों के निर्धारित वार्षिक रखरखाव को समय से पहले पूरा कर लिया है, जिसका अर्थ है कि हम उपलब्ध गैस के साथ उत्पादन को अधिकतम करने में सक्षम हैं।

पत्रकार वार्ता में रणधीर जायसवाल ने कहा कि उर्वरक विभाग ने मौजूदा स्थिति को देखते हुए समय रहते वैश्विक निविदाएं जारी कर दी थीं। इन्हें बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और उम्मीद है मार्च के अंत तक विभिन्न स्रोतों से ऑर्डर की गई अधिकांश मात्रा प्राप्त हो जाएगी। उर्वरक विभाग ने प्रतिस्पर्धी आधार पर स्पॉट गैस की खरीद का भी निर्णय लिया है और पहले चरण की खरीद मंगलवार तक पूरी हो जाएगी।

15 मई तक खरीफ की मांग चरम पर पहुंचने तक उर्वरकों का पर्याप्त भंडार प्राप्त हो जाएगा। उर्वरक विभाग वैश्विक और घरेलू दोनों ही रुझानों पर सावधानीपूर्वक नजर रख रहा है और आवश्यक कदम उठा रहा है।

ब्रिक्स के संबंध में रणधीर जायसवाल ने कहा कि कुछ सदस्य पश्चिम एशिया क्षेत्र की मौजूदा स्थिति में सीधे तौर पर शामिल हैं, जिससे चल रहे संघर्ष पर ब्रिक्स के साझा रुख पर आम सहमति बनाने में बाधा आ रही है। ब्रिक्स के अध्यक्ष के रूप में, भारत शेरपा चैनल के माध्यम से सदस्य देशों के बीच चर्चाओं को सुगम बना रहा है। पिछली वर्चुअल ब्रिक्स शेरपा बैठक 12 मार्च को आयोजित की गई थी। इसके अतिरिक्त, भारतीय नेतृत्व क्षेत्र में ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं के साथ लगातार संपर्क में है। भारत का यह संपर्क जारी रखेगा।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार

जो मुकाबला नहीं कर पाए, वे फैला रहे देश में अराजकता : योगी आदित्यनाथ

कैथल ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी दलों पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जो लोग जनता का विश्वास खो चुके हैं और सीधे मुकाबले की स्थिति में नहीं हैं, वे अब अफवाहों और अराजकता के जरिए देश में अव्यवस्था फैलाने की कोशिश कर रहे हैं।

शनिवार को हरियाणा के कैथल स्थित सौंगल गांव में बाबा मुकुट नाथ मठ के कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के निर्माण के लिए देश विरोधी और धर्म विरोधी तत्वों को पहचान कर उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि देश सुरक्षित रहेगा तभी सनातन सुरक्षित रहेगा और इन दोनों को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री ने ब्रह्मलीन महंत पीर गणेश नाथ के आठमान भंडारा और शंखाढाल कार्यक्रम में पूजा-अर्चना के बाद जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि आजादी के बाद दशकों तक सरकारों को वोटबैंक और तुष्टिकरण की राजनीति से फुर्सत नहीं थी, जिसके कारण राम मंदिर जैसे आस्था के केंद्रों की उपेक्षा हुई। योगी ने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल अयोध्या में भव्य मंदिर बना है, बल्कि काशी, महाकाल

और केदारनाथ धाम का भी कायाकल्प हुआ है।

संवैधानिक संस्थाओं पर उठ रहे सवालों पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल अपनी हार का ठीकरा न्यायपालिका और निर्वाचन आयोग पर फोड़ते हैं, जो उनकी हताशा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि 'कड़वा-कड़वा थू और मीठा-मीठा गप' की नीति अब नहीं चलेगी। वैश्विक परिस्थितियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया युद्ध और आर्थिक संकट से त्रस्त है, लेकिन भारत 145 करोड़ देशवासियों के भरोसे और किसानों के पुरुषार्थ से विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। कार्यक्रम में शेरनाथ महाराज को पीर की पदवी दी गई, जिस पर मुख्यमंत्री ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों के सानिध्य में सनातन की ध्वज पताका हमेशा ऊंची रहेगी और इसे कोई भी ताकत झुका नहीं सकती। इस अवसर पर विधायक बालकनाथ, राजनाथ महाराज, हरिनाथ महाराज और अशोक गुर्जर सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पहले की सरकारों को वोटबैंक व तुष्टिकरण से नहीं थी फुर्सत

सीएम योगी ने कहा कि हमारा दायित्व है कि जो लोग देशहित में कार्य कर रहे हैं, उन्हें समर्थन-सहयोग करें और जो लोग देशविरोधी-धर्मविरोधी आचरण कर रहे हैं, उन्हें नकारना, दुत्कारना और बाहर का रास्ता दिखाना है। भारत का हर सनातन धर्मावलंबी चाहता था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हो, क्योंकि राम सनातन के प्रतीक और भारत के आधार स्तंभ हैं। 500 वर्ष पहले विदेशी आक्रांता ने रामजन्मभूमि पर मंदिर को अपवित्र करते हुए क्षतिग्रस्त कर दिया था। दिन-वर्ष बीतते गए, हिंदू संघर्ष करता गया, लेकिन कोई बात सुनने वाला नहीं था। जब मोदी जी प्रधानमंत्री बने तब अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनाने की पहल को नई ऊंचाइयां प्राप्त हुई। आज अयोध्या में दुनिया का सबसे भव्यतम मंदिर बनकर तैयार हो गया। आजादी के बाद अनेक सरकारें बनीं, लेकिन किसी ने आस्था के बारे में नहीं सोचा, क्योंकि उन्हें वोटबैंक और तुष्टिकरण से फुर्सत नहीं थीं। केंद्र व प्रदेश में एक जैसी सरकार बनी तो राम मंदिर का निर्माण हो गया। यूपी और देशवासियों को सुरक्षा की गारंटी मिली।

सनातन विरोधी सरकारें आएंगी तो तुष्टिकरण करेंगी

सीएम ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ मंदिर, महाकाल में महालोक, उत्तराखंड में केदारपुरी और बद्रीनाथ पुरी में भव्य धाम का निर्माण, यह तब हुआ जब उसके बारे में सोचने वाली सरकारें हैं। सनातन विरोधी सरकारें आएंगी तो तुष्टिकरण करेंगी। आजादी के बाद कश्मीर व नक्सलवाद की समस्या उन्हीं लोगों ने दी, जिन्होंने तुष्टिकरण के नाम पर देश को बांटा। जब देश में जनचेतना जागरूक हुई तो जिन लोगों ने सनातन व देश के प्रति अन्याय किया था, देशवासियों ने उन्हें अविश्वास का प्रतीक बना दिया और भारतीय जनता पार्टी व मोदी जी के नेतृत्व में विश्वास जताया।

युवाओं के पास विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण अवसर भी, जिम्मेदारी भी : जेपी नड्डा

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने मुरादाबाद स्थित तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेकर 6,041 विद्यार्थियों को स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और डिप्लोमा की डिग्रियां प्रदान किए जाने पर उन्हें बधाई दी।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि भारत के अमृत काल के दूसरे चरण में पेशेवर जीवन में प्रवेश करने वाले युवाओं के पास विकसित भारत 2047 के निर्माण में महत्वपूर्ण अवसर और जिम्मेदारी दोनों हैं। उन्होंने छात्रों से समाज के प्रति समर्पण और सेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दशक में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र में बुनियादी ढांचे, चिकित्सा शिक्षा और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता में व्यापक विस्तार हुआ है। उन्होंने बताया कि देश में एम्स की संख्या 6 से बढ़कर 23 हो गई है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि भारत ने क्षय रोग (टीबी) की घटनाओं में 21 प्रतिशत की कमी दर्ज की है, जो वैश्विक औसत से अधिक है। साथ ही, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के माध्यम से करोड़ों लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक वित्तीय सुरक्षा के साथ पहुंच मिली है। दीक्षांत समारोह में 2024-25 सत्र में 156 पदक विजेताओं में से 112 छात्राएं थीं, जो शिक्षा में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी और उत्कृष्टता को दर्शाता है।

नड्डा ने तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने में संस्थान के योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा संचालित लगभग 150 शैक्षणिक कार्यक्रमों में से लगभग 60 प्रतिशत चिकित्सा और संबद्ध स्वास्थ्य विषयों को समर्पित हैं, जो देश के लिए सक्षम और कुशल स्वास्थ्य सेवा कार्यबल तैयार करने पर विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

अमेरिका-द.कोरिया सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने 10 से अधिक मिसाइलों का किया सफल परीक्षण

सियोल/टोक्यो ■ एजेंसी

पूर्वी एशिया में अमेरिका और दक्षिणी कोरिया के बीच चल रहे सैन्य अभ्यास के बीच उत्तर कोरिया ने कम दूरी की 10 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया। इन परीक्षणों को लेकर दक्षिण कोरिया और जापान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्रीय संप्रभुता पर हमला माना है।

दक्षिण कोरिया की सेना के अनुसार ये मिसाइलें राजधानी प्योंगयांग के पास से जापान सागर की दिशा में लॉन्च की गईं। जापान कोस्ट गार्ड ने कहा है कि इनमें से एक मिसाइल संभवत: जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर समुद्र में गिरी। घटना के बाद जापान और दक्षिण कोरिया ने निगरानी बढ़ा दी है और अमेरिका के साथ मिलकर हालात पर करीबी नजर रखी जा रही है। जापान के लोक प्रसारक एनएचके और विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उत्तर कोरिया ने शनिवार को समुद्र की ओर 10 से अधिक कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरिया की सेना के

अनुसार ये मिसाइलें राजधानी प्योंगयांग के पास सुनान इलाके से स्थानीय समयानुसार दोपहर करीब 1:20 बजे जापान सागर की दिशा में लॉन्च की गईं। जापान कोस्ट गार्ड ने बताया कि उसने एक ऐसी वस्तु देखी जो संभवत: बैलिस्टिक मिसाइल थी और जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) के बाहर समुद्र में गिर गई। जापान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस घटना में फिलहाल किसी नुकसान की खबर नहीं है। घटना के बाद जापान सरकार ने प्रधानमंत्री कार्यालय में संकट प्रबंधन केंद्र में आपात बैठक बुलाई। संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों के अधिकारी स्थिति की जानकारी जुटा रहे हैं और संभावित नुकसान का आकलन कर रहे हैं।

दक्षिण कोरिया के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि सेना ने निगरानी बढ़ा दी है और वह अमेरिका तथा जापान के साथ मिलकर जानकारी साझा कर रही है। सेना किसी भी संभावित अतिरिक्त लॉन्च की स्थिति के लिए पूरी तरह तैयार है।

इस सैन्य अभ्यास को लेकर अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने कहा है कि यह अभ्यास पूरी तरह रक्षात्मक है। इसका उद्देश्य क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए तैयारी को मजबूत करना है। हालांकि, उत्तर कोरिया लंबे समय से इन अभ्यासों को अपने खिलाफ हमले का पूर्वाभ्यास बताता रहा है। उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया की संयुक्त सैन्य ड्रिल की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में सैन्य अभ्यास करना, जब वैश्विक सुरक्षा पहले से ही अस्थिर है, क्षेत्रीय स्थिरता को कमजोर करता है। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्तर कोरिया की सुरक्षा को चुनौती देने वाले कदम के भयानक परिणाम हो सकते हैं।

अमेरिका से व्यापार समझौते के खिलाफ युवा कांग्रेस सोमवार को करेगी संसद घेराव

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय युवा कांग्रेस ने भारत-अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते और केंद्र सरकार की विभिन्न नीतियों के विरोध में 16 मार्च को संसद घेराव का ऐलान किया है। संगठन पहले जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेगा इसके बाद घेराव करेगा।

युवा कांग्रेस ने शुक्रवार को यहां आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष अक्षय लाकड़ा, राष्ट्रीय सचिव एवं दिल्ली सह-प्रभारी कृष्ण हरि तथा सह-प्रभारी हैवरन कंसाना मौजूद रहे। अक्षय लाकड़ा ने कहा कि भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने हाल ही में आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान प्रदर्शन किया था, जिसे उन्होंने लोकतांत्रिक अधिकार बताया। अदालतों ने भी माना कि लोकतंत्र में विरोध-प्रदर्शन का

अधिकार हर नागरिक को है।

लाकड़ा ने कहा कि इस समझौते से देश का डेटा अमेरिका को सौंपने का खतरा है, जिससे किसानों और वस्त्र उद्योग को भारी नुकसान हो सकता है। इस मुद्दे पर युवा कांग्रेस ने एआई समिट में विरोध दर्ज किया था।

प्रदर्शन के बाद कुछ कार्यकर्ताओं को परेशान किया गया, लेकिन संगठन पीछे नहीं हटा। फिलहाल कोई भी कार्यकर्ता न्यायिक या पुलिस हिरासत में नहीं है। लाकड़ा ने कहा कि 16 मार्च को जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार की नीतियों और खासकर भारत-अमेरिका प्रस्तावित व्यापार समझौते के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन होगा। इसमें देशभर से युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता शामिल होंगे। राष्ट्रीय सचिव हैवरन कंसाना ने दावा किया कि देश के विभिन्न मुद्दों पर अब तक कई आंदोलन हुए हैं, लेकिन आगामी प्रदर्शन सबसे बड़ा होगा।

पश्चिम एशिया में 12 दिनों से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध जारी

ईरान ने बगदाद में अमेरिकी दूतावास को बनाया निशाना, हेलीपैड पर गिरी मिसाइल

बगदाद ■ एजेंसी

पश्चिम एशिया में 12 दिनों से अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बीच शनिवार को ईरान ने इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर मिसाइल हमला किया। मिसाइल दूतावास परिसर के भीतर बने हेलीपैड के पास गिरी जिससे इमारत क्षतिग्रस्त हो गई और अमेरिकी वायुरक्षा प्रणाली को भी नुकसान होने की खबर है।

समाचार चैनल अल जज़ीरा एवं अन्य मीडिया संगठनों की रिपोर्टों के अनुसार इराक की राजधानी बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास पर शनिवार को एक मिसाइल दूतावास परिसर के भीतर बने हेलीपैड के पास गिरी, जिससे इमारत को नुकसान पहुंचा और परिसर से लपटें एवं धुआं उठता देखा गया। इस हमले का निशाना अमेरिकी दूतावास परिसर स्थित वायु रक्षा प्रणाली का स्टेशन था। घटना के बाद इलाके में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जबकि हमले में किसी के हताहत होने की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्टों में कहा गया है कि हमले में दूतावास की हवाई सुरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हुआ है।

यह मिसाइल दूतावास की चारदीवारी

के भीतर स्थित ग्रीन जोन इलाके में गिरी। ग्रीन ज़ोन बगदाद का अत्यंत सुरक्षित और किलेबंद क्षेत्र है, जहां इस इलाके में इराक सरकार के ज़्यादातर दफ़्तर और अमेरिका समेत कई देशों के दूतावास स्थित हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो में हमले के बाद दूतावास परिसर से धुआं उठता दिखाई दिया। हालांकि अमेरिकी दूतावास को लेकर इराक सरकार की ओर से इस घटना पर तत्काल कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है।

सुरक्षा सूत्रों का कहना है कि इराक में सक्रिय ईरान समर्थित सशस्त्र समूह अक्सर अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाने की धमकी देते रहे हैं। माना जा रहा है कि हालिया हमले के पीछे भी ऐसे ही गुटों का हाथ हो सकता है।

बताया जा रहा है कि ये गुट ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह सैयद अली खामेनेई की मौत का बदला लेने की बात कर रहे हैं। रिपोर्टों के अनुसार उनकी मौत इस संघर्ष की शुरुआत में एक अमेरिकी-इजरायली हवाई हमले में हुई थी। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के बाद बगदाद में अमेरिकी दूतावास पर यह दूसरा बड़ा हमला बताया जा रहा है। इससे एक दिन पहले ही दूतावास ने इराक के लिए 'लेवल-4' सुरक्षा चेतावनी दोबारा जारी करते हुए अमेरिकी नागरिकों को सतर्क रहने को कहा था।

यह दवा अमूल्य है

खूनी बवासीर के मरीजों के लिए आवश्यक सूचना

1. क्या आप खूनी बवासीर से पीड़ित हैं
2. डाक्टरों और वैद्य-हकीमों का इलाज करा-करा कर थक गए हैं
3. निरंतर खून आने से शरीर अत्यंत दुर्बल और कमजोर हो गया है

तो आइये मात्र 6 पुड़िया आपके जीवन को चिंताओं से मुक्त कर सकती है और आप फिर से पूर्ण मस्ती के साथ जीवन व्यतीत करने के लिये सक्षम हो सकते हैं।
तो आज ही हमारे निम्न पते पर आएं और निःशुल्क दवा प्राप्त करें।

दैनिक अमृत दर्शन
6, पत्रकार नगर कोलार रोड, भोपाल-462003
मो. 9827054436

मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के द्वारा पूरे मध्य प्रदेश में 7 लाख सदस्य बनाने का अभियान शुरू

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

यह है कि मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पंडित हरि बल्लभ भार्गव एवं गौ भक्त एवं गणेश जी के कठोर उपासक द्वारा बताया गया की मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान पूरे मध्य प्रदेश में सदस्यता अभियान चलाया जाएगा जो बराबर 3 वर्ष तक यानी सन 2028 तक मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान में 7 लाख लोगों को सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है यह अभियान अक्षय तृतीय 20 अप्रैल 2026 से शुरू किया जाएगा जो पूरे मध्य प्रदेश में मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारी द्वारा कार्य किया जाएगा

मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के प्रदेश सचिव आकाश कृष्ण भार्गव संयुक्त सचिव सीपी जोशी जी द्वारा बताया गया अभिमान सदस्य बनने के लिए पूरे मध्य प्रदेश में हर जिले में हर संभागों में जाकर सदस्य बनाने का काम किया जाएगा

मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पंडित हरि बल्लभ भार्गव ने बताया कि हमारे मध्य प्रदेश के लोकप्रिय एवं हंसमुख माननीय श्री मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव जी के द्वारा पूरे मध्य प्रदेश में गौशालाओं का निर्माण एवं दूध डेयरी के लिए काम किया जा रहा है

मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के संरक्षक श्री प्रदीप मिश्रा जी के द्वारा बताया गया कि हमारे पूरे मध्य प्रदेश में गौ माता की बहुत ज्यादा क्षति हो रही है एवं हर जिले में हर संभाग में जगह-जगह गलियों में एवं रेल पटरिया पर गौ माता सुख कागज एवं प्लास्टिक की पनिया खाकर बीमार हो रही है भूखी मर रही है आगे प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्था की संरक्षक श्री प्रदीप मिश्रा जी द्वारा बताया गया कि हमारी मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारी द्वारा पूरे मध्य प्रदेश में गौ माता के प्रति सेवाभाव रखकर गौशालाओं का निर्माण किया जा रहा है। आगे मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के प्रदेश अध्यक्ष पंडित हरि बल्लभ भार्गव द्वारा बताया गया की पूरे मध्य प्रदेश में मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के 7 लाख सदस्य बनाने का अभियान बराबर 3 वर्ष तक चलेगा जो हमारे संस्था के सभी पदाधिकारी द्वारा हर जिले में हर संभाग में हर गांव में जाकर सदस्य बनाने का काम किया जाएगा

आगे मां कामधेनु गौ सेवा संस्थान के सभी पदाधिकारी द्वारा जैसे प्रदेश संरक्षक प्रदीप मिश्रा जी प्रदेश अध्यक्ष हरि बल्लभ भार्गव प्रदेश उपाध्यक्ष राम जी दुबे उपाध्यक्ष निमोदा जी प्रदेश सचिव आकाश कृष्ण भार्गव संयुक्त सचिव श्री सीपी जोशी जी सदस्य केवल दास जी एवं संस्था के सभी पदाधिकारी द्वारा नवरात्रि के शुभ अवसर पर एवं नव संवत्सर एवं गुड़ी पड़वा के सभी अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को ढेर सारी शुभकामनाएं बहुत-बहुत बधाई।

मढ़ई के रिजॉर्ट में खाद्य विभाग ने की कार्यवाही, मिली एक्सपायरी डेट की सामग्री

जप्त कर भेजी लैब, जांच के बाद कार्यवाही

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के मढ़ई में एक लक्जरी रिसॉर्ट फोरसिथ लाज में शनिवार को खाद्य विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मार करवाई की । यहां पर किचन में एक्सपायरी खाद्य सामग्री पाई गई जिसके सैंपल लेकर लैब में भेजा गया और जांच के बाद कार्यवाही की जाएगी।

गौरतलब है कि इन दिनों मढ़ई का लग्जरी रिजॉर्ट फोरसिथ विवादों में है। खाद्य विभाग के अधिकारी कमलेश दियावर ने बताया कि किचन में बेसन , ब्रेड सहित अन्य सामग्री के सैंपल लिए गए और एक्सपायरी डेट की खाद्य सामग्री पाई गई । सैंपल को लैब में जांच के लिए भेजा गया है। इसके साथ ही द फॉरेस्ट चैप्टर बाय सयाजी होटल में भी कार्यवाही की गई और सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए। साथ ही यहां अतिक्रमण का मामला भी सामने आया है जिस पर नोटिस जारी किया गया है। गौरतलब है कि हाल ही में फोरसिथ रिसोर्ट में कमरे में वन्यजीवों के अंगों की प्रदर्शनी भी मिली थी जिसे जप्त करने की कार्रवाई की गई ।

संक्षिप्त समाचार

बिजली विभाग की दबंगई बिल जमा होने के बावजूद बिना नोटिस काटे कनेक्शन

नर्मदापुरम। स्थानीय बिजली विभाग के कर्मचारियों की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर गंभीर सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। ताजा मामला विभाग द्वारा नियमों को ताक पर रखकर की गई बिजली कटौती और अवैध रूप से रुपयों की मांग का है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गत 23 फरवरी 2026 को बिजली विभाग के दो कर्मचारी, जिनकी पहचान उमा शंकर यादव और अरुण शर्मा के रूप में हुई है, चेकिंग के नाम पर पहुंचे थे। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि इन कर्मचारियों ने 'लोड जमा' कराने के नाम पर सुमित मिश्रा और हेमंत से 3,000 रुपये की अवैध मांग की। उपभोक्ताओं द्वारा अवैध वसूली की मांग ठुकराने और यह स्पष्ट करने पर कि उनका बिजली बिल पूरी तरह जमा है, कर्मचारी आक्रोशित हो गए। आरोप है कि नियमों की अनदेखी करते हुए, विभाग ने बिना किसी पूर्व सूचना या लिखित नोटिस के बिजली कनेक्शन काट दिया। 'जब हमारा बिल पूरा जमा था, तो बिजली काटने का क्या तुक है? हमसे जबरन पैसों की मांग की गई और मना करने पर अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया गया।' विद्युत अधिनियम के अनुसार, किसी भी उपभोक्ता का कनेक्शन काटने से पहले उसे निर्धारित समय का पूर्व नोटिस देना अनिवार्य है। इस मामले में बिना नोटिस और भुगतान के बावजूद कार्रवाई करना विभाग की छवि को धूमिल कर रहा है। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर काफी रोष है और उन्होंने उच्चाधिकारियों से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ईरान-इजरायल युद्ध की आहट से बढ़ी 'पैनिक बुकिंग'

नर्मदापुरम। एक तरफ जहाँ दुनिया की नजरें ईरान और इजरायल के बीच छिड़े भीषण युद्ध पर टिकी हैं, वहीं इसका सीधा असर अब नर्मदापुरम के आम नागरिकों की रसोई पर पड़ने लगा है। वैश्विक तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गैस की आपूर्ति बाधित होने की आशंका ने स्थानीय स्तर पर 'पैनिक' की स्थिति पैदा कर दी है, जिससे घरेलू गैस सिलेंडर की बुकिंग और वितरण का पूरा तंत्र चरमरा गया है। शहर के उपभोक्ताओं की सबसे बड़ी शिकायत ऑनलाइन बुकिंग के समय को लेकर है। डिजिटल इंडिया के दौर में भी सर्वर की भारी समस्या आ रही है।

सर्वर की समस्या: दिन के समय पोर्टल और ऐप पूरी तरह ठप हो जाते हैं। उपभोक्ता घंटों कोशिश करते हैं, लेकिन 'सर्वर एरर' के कारण बुकिंग नहीं हो पाती। बुकिंग के लिए जरूरी ओटीपी (OTP) मोबाइल पर समय से नहीं पहुँच रहा है, जिससे लोग चिड़चिड़े हो रहे हैं। सर्वर पर दिनभर रहने वाले भारी ट्रैफिक से बचने के लिए विशेषज्ञ और एजेंसी संचालकों का सुझाव है कि उपभोक्ता देर रात या अलसुबह बुकिंग का प्रयास करें।

रसूख की आड़ में सरकारी जमीन और नाले पर कब्जा, मामला कलेक्टर तक पहुँचा

अधिकारियों ने दिए कार्रवाई के संकेत

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगर के हृदय स्थल 'सतरास्ता' क्षेत्र में सरकारी जमीन पर अवैध अतिक्रमण और धांधली का एक गंभीर मामला सामने आया है। स्थानीय जागरूक नागरिक अमित खत्री ने जिला कलेक्टर को एक शिकायती पत्र सौंपकर पूर्व मंडल अध्यक्ष और भाजपा नेता राजकुमार चौकसे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत में कहा गया है कि राजनीतिक रसूख का इस्तेमाल कर सरकारी पट्टे की आड़ में हजारों वर्ग फुट नजूल भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है।

प्रेस वार्ता में हुए बड़े खुलासे: 510 वर्ग फुट का पट्टा, कब्जा 2000 पर-

अमित खत्री ने पत्रकारों को बताया कि भाजपा नेता ने शहर के बीचो-बीच बहुमूल्य नजूल की भूमि पर फर्जी तरीके से आवंटन कराकर शासन को गुमराह किया है। शिकायतकर्ता के अनुसार, भाजपा नेता के पिता स्वर्गीय रतनलाल चौकसे को होटल व्यवसाय के लिए नजूल शीट नंबर 43, प्लॉट नंबर 16 पर मात्र 510 वर्ग फुट का पट्टा आवंटित किया गया था। आरोप है कि वर्तमान में इस स्थान पर नियमों को ताक पर रखकर लगभग 2000 वर्ग फुट से अधिक की भूमि पर होटल, दुकान और मेडिकल स्टोर का संचालन किया जा रहा है।

नाले के अस्तित्व पर संकट और जलभराव की स्थिति: शिकायती पत्र में उल्लेख किया गया है कि उक्त दुकान के पास से गुजरने वाले वर्षों पुराने नाले पर भी पक्का अतिक्रमण कर लिया गया है। नाले का स्वरूप बदलने के कारण बारिश के दिनों में सतरास्ता के मुख्य मार्गों पर भारी जलभराव हो जाता है, जिससे आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा, सड़क सीमा तक किए गए निर्माण के कारण यातायात भी बुरी तरह बाधित रहता है।

प्रशासनिक अधिकारियों का पक्ष: इस गंभीर मामले की शिकायत के बाद प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सख्त रुख अपनाया है।

' आपके द्वारा मामला हमारे संज्ञान में आया है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए दस्तावेजों की जांच की जा रही है और नियम विरुद्ध पाए जाने पर उचित कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।'

– सरिता मालवीय, तहसीलदार, नर्मदापुरम

'नगर पालिका द्वारा शहर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निरंतर की जा रही है। इस विशेष मामले में भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी और अतिक्रमण हटाने का अभियान आगे भी जारी रहेगा।'

हेमेश्वरी परले, सीएमओ, नगर पालिका

जांच और कड़ी कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ता अमित खत्री ने कलेक्टर से मांग की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर अवैध अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए और पट्टे की शर्तों के उल्लंघन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने शासन और राजस्व को हुए नुकसान की वसूली की भी मांग की है। इस पत्र की प्रतियां एसडीएम (राजस्व), नजूल अधिकारी, कार्यपालन यंत्री (PWD) को भी आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजी गई हैं।

फर्जी डिग्री और मेडिकल स्टोर संचालन का आरोप

प्रेस वार्ता के दौरान श्री खत्री ने बताया कि उक्त जगह के बाजू में नियम विरुद्ध मेडिकल की दुकान का भी संचालन किया जा रहा है। यह दुकान पिछले 15 वर्षों से मोहित कुमार चौकसे द्वारा संचालित की जा रही है। आरोप है कि मोहित कुमार ने एमपी स्टेट फार्मेसी काउंसिल भोपाल से फर्जी तरीके से रजिस्ट्रेशन कराया है। श्री खत्री ने मांग की है कि फर्जी डी.फार्मा डिग्री के आधार पर 'फंड बेस्ड रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट' प्राप्त करने के मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।

सोमनाथ एक्सप्रेस का उज्जैन स्टेशन पर आगमन और प्रस्थान समय में संशोधन

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

गाड़ी संख्या 11464 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया इटारसी एवं गाड़ी संख्या 11466 जबलपुर-सोमनाथ वाया कटनी मुड़वारा एक्सप्रेस ट्रेनों के उज्जैन रेलवे स्टेशन पर आगमन/प्रस्थान समय में आंशिक संशोधन किया गया है। गाड़ी संख्या 11464 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया इटारसी ट्रेन को 2 अप्रैल से अपने प्रारंभिक स्टेशन जबलपुर से निर्धारित समय से प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन का निर्धारित आगमन/प्रस्थान समय रात्रि 23:50/00:00 बजे की बजाय अब उज्जैन रेलवे स्टेशन का संसोधित आगमन/प्रस्थान समय रात्रिल 23:45/23:55 बजे रहेगा।

गाडी संख्या 11466 जबलपुर-सोमनाथ एक्सप्रेस वाया कटनी मुड़वारा ट्रेन को 3 अप्रैल से अपने प्रारंभिक स्टेशन जबलपुर से निर्धारित समय से प्रस्थान कर मार्ग से होते हुए उज्जैन रेलवे स्टेशन का निर्धारित आगमन/प्रस्थान समय रात्रि 23:50/00:00 बजे की बजाय अब उज्जैन रेलवे स्टेशन का संसोधित आगमन/प्रस्थान समय रात्रिल 23:45/23:55 बजे रहेगा।

नपा परिसर में लगी नेशनल लोक अदालत में कर जमा करने में बढ़ा रुझान

नागरिकों ने 87 लाख 65 हजार से अधिक का टैक्स किया जमा

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

नगरपालिका परिषद में लगी नेशनल लोक अदालत में नागरिकों ने टेक्स जमा करने में अपना रुझान दिखाया। सुबह 10.30 बजे से कर कलेक्शन टेबिल पर नागरिकों ने देर शाम तक अपने विभिन्न प्रकार के कर जमा किए और नेशनल लोक अदालत में मिलने वाली छूट का लाभ उठाया। शनिवार को नेशनल लोक अदालत में नागरिकों ने करीब 87 लाख 65 हजार से अधिक की राशि कर के रूप में जमा की।

राजस्व शाखा के हरीश गोस्वामी ने बताया कि आज नपा परिसर में लगी नेशनल लोक अदालत का निरीक्षण मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले द्वारा किया गया। इस दौरान उन्होंने नागरिकों को बैठने, पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही कर जमा करने आने वाले लोगों से चर्चा भी की। कर जमा करने में समूची राजस्व टीम लगी रही।

श्री गोस्वामी ने बताया कि शनिवार को नेशनल लोक अदालत में कुल 87 लाख 65 हजार 118 रुपए जमा किए गए। जिसमें संपत्तिकर 70 लाख 608 रुपए, जलकर 4 लाख 50 हजार 260, दुकान किराया 2 लाख 56 हजार 900 रुपए, विविध कर 1 लाख 5 हजार 116 रुपए और चैक से प्राप्त 9 लाख 52 हजार 234 रुपए शामिल है।

इटारसी की कुमारी भूमि रायकवार ने लगवाया एचपीवी टीका, बालिकाओं से टीकाकरण कराने की अपील

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे एचपीवी टीकाकरण अभियान के तहत इटारसी निवासी कुमारी भूमि रायकवार ने एचपीवी वैक्सीन लगवाकर अन्य बालिकाओं और अभिभावकों को जागरूक करने की पहल की है। उन्होंने बताया कि वैक्सीन लगवाने के बाद उन्हें किसी भी प्रकार की समस्या नहीं हुई है। उन्होंने 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की सभी बालिकाओं से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण टीकाकरण का लाभ अवश्य लें।

कुमारी भूमि रायकवार ने कहा कि यह टीका बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने में अत्यंत प्रभावी है। उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपनी बेटियों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र ले जाकर समय पर एचपीवी टीकाकरण अवश्य कराएं।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी दी गई है कि 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाएं अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर एचपीवी टीकाकरण करवा सकती हैं। यह टीका शासन द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है तथा भारत के औषधि नियामक द्वारा अनुमोदित है और सभी आवश्यक गुणवत्ता मानकों को पूरा करता है।

अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपनी 14 वर्ष आयु पूर्ण कर चुकी एवं 15 वर्ष से कम आयु की बेटियों का समय पर टीकाकरण कराएं, ताकि उन्हें सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सके। इसके लिए अभिभावक अपनी बेटियों का पंजीकरण यू-विन (U-WIN) पोर्टल के माध्यम से भी कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त जिले में जिला चिकित्सालय नर्मदापुरम, सिविल अस्पताल इटारसी एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनखेड़ी, पिपरिया, सोहागपुर, माखननगर, सुखतवा, सिवनीमालवा एवं डोलरिया में भी यह सुविधा उपलब्ध है।

जिला चिकित्सालय में अग्नि आपदा से निपटने के लिए हुई मॉक ड्रिल

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नर्मदापुरम द्वारा विगत एक सप्ताह से आपदा प्रबंधन के तहत एसडीआरएफ एवं होमगार्ड जवानों को आपदा के समय उचित प्रबंधन एवं बचाव कार्य के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गति दिवस कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक की उपस्थिति में भी सेठानी घाट पर बाढ़ आपदा प्रबंधन के तहत राहत एवं बचाव कार्य के लिए होमगार्ड जवानों को प्रशिक्षित किया गया।

इसी तारतम्य में शनिवार को प्लाटून कमांडर श्रीमती अमृता दीक्षित के कुशल मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय परिसर में अग्नि आपदा से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में एसडीईआरएफ-होमगार्ड, जिला चिकित्सालय तथा नगरपालिका की संयुक्त टीम ने भाग लिया और आपात स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों का अभ्यास किया।

मॉक ड्रिल के दौरान प्लाटून कमांडर अमृता दीक्षित एवं शिवराज चौधरी के नेतृत्व में आग लगने की काल्पनिक स्थिति निर्मित की गई।

लोक अदालत मे 78 प्रकरणों का निराकरण

लोक अदालत का उद्देश्य समाज में आपसी भाईचारे की स्थापना करना है-जिला न्यायाधीश तबस्सुम खान

सिवनी मालवा ■ निसं

लोक अदालत की स्थापना करने के लिए सरकार का मुख्य उद्देश्य समाज मे आपसी भाई चारा और सामंजस्य की स्थापना करना है। लोक अदालत सरकार की मंशा पर खरी उतर कर कार्य कर रही है। उक्त बात साल की पहली आयोजित नेशनल लोक अदालत के उद्घाटन के अवसर पर जिला न्यायाधीश श्रीमती तबस्सुम खान ने कही। न्यायाधीश श्रीमती खान ने कहा कि यह सप्ताह बहुत महत्वपूर्ण है। इसी सप्ताह मे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित हुआ है। और अब यह साल की पहली नेशनल लोक अदालत आयोजित हो रही है। हम सब मिलकर पिछले साल से अधिक मामलो मे राजीनामा कराकर इसे सफल बनाने का प्रयास करे। न्यायालय मे चल रहे 5 साल से पुराने मामलो मे न्यायालय द्वारा उनका निराकरण माननीय उच्च न्यायालय की सूचीनुसार किया जा रहा है। जिसका बहुत अच्छा आशानुरूप प्रतिशत प्राप्त हुआ है। लोक अदालत की सफलता के लिए अधिवक्ताओं का विशेष सहयोग रहता है। जिनके द्वारा अपने पक्षकारों को समझाइस के बाद न्यायालय मे पक्षकारों के मध्य राजीनामा होने के बाद प्रकरण समाप्त किये जाते है।

उन्होंने प्रिलिटिगेशन मामलो के लिए उपस्थित विभागों के अधिकारियों से कहा कि ऐसे मामलो को न्यायालय मे आने से पहले ही समझाइस देकर निराकरण कराने का प्रयास करे। न्यायाधीश सरोज डेहरिया ने कहा कि लोक अदालत लोक हित के लिए आयोजित की जाती है। जिसमे पक्षकारो को अधिक से अधिक लाभ दिलाने का प्रयास अधिवक्ताओं और न्यायालय द्वारा पहुंचाया जाता है। न्यायालय मे राजीनामा कर अपने प्रकरण समाप्त करने वाले पक्षकारों को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए न्यायाधीशो द्वारा पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर अभिभाषक संघ अध्यक्ष हजारीलाल गुर्जर, एन एस यादव, विकास पाठक ने भी अपने विचार व्यक्त किये और लोक अदालत को सफल बनाने के प्रयास पर जोर दिया। लोक अदालत मे नगरपालिका सीएमओ अमरसिंह उइके, नपाकर्मी और बेंको के कर्मचारी गण और न्यायालय कर्मी उपस्थित रहे।

पति पत्नी का 12 साल पुराना मामला हुआ समाप्त: न्यायालय मे आयोजित साल की पहली लोक अदालत मे पति पत्नी के मध्य चल रहे 12 साल पुराने मामले तबस्सुम शाह विरुद्ध अब्दुल वहीद मे पति पत्नी अलग रह रहे थे। जिसमे अधिवक्ता अजीतसिंह राजपूत और विवेक शर्मा की समझाइस पर दोनो एक हो गये। दोनो ने आपसी राजीनामा लोक अदालत मे करके साथ रहने का निर्णय लिया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो. 9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007. डाकपंजीयन -MP/HSD04/2026-2028 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।